राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 269 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार, 31 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

भारत, आस्ट्रेलिया ने निरस्त्रीकरण, अप्रसार जैसे मुद्दों पर चर्चा की

नई दिल्ली। भारत और आस्ट्रेलिया ने दोनों देशों के समग्र सामरिक गठजोड़ को मजबूती प्रदान करने के लिए निरस्त्रीकरण, अप्रसार, सामरिक निर्यात नियंत्रण एवं वाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, भारत-आस्ट्रेलिया के बीच निरस्त्रीकरण, अप्रसार एवं निर्यात नियंत्रण पर छठे दौर की वार्ता 30 मार्च 2021 को डिजिटल माध्यम से हुई। इसमें कहा गया है कि, ''दोनों पक्षों ने परमाणु, रासायनिक, जैविक निरस्त्रीकरण एवं हथियारों का प्रसार रोकने के अलावा पारंपरिक हथियारों, वाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा तथा सामरिक निर्यात नियंत्रण जैसे मुद्दों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा है कि बातचीत से दोनों पक्षों के बीच निरस्त्रीकरण एवं अप्रसार से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक घटनाक्रमों एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के बारे में समझ बढ़ाने में मदद मिली जो भारत और आस्ट्रेलिया के समग्र सामरिक गठजोड़ को मजबूती प्रदान करेगी।

जम्मू कश्मीर के सोपोर में हुए आतंकी हमले में घायल पार्षद की मौत

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बारामुला जिले के सोपोर नगर पालिका पर हुए आतंकी हमले में घायल पार्षद का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इसके साथ ही घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। हमला सोमवार को हुआ था जिसमें एक अन्य पार्षद रियाज अहमद और उनके निजी सुरक्षाकर्मी शफक्रत अहमद की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि शम्सुद्दीन पीर ने आज सुबह दम तोड़ दिया। आतंकवादियों की सहायता करने वाले एक व्यक्ति को घटना के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने सोमवार को हमले की जगह का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति ने खुलासा किया है कि लश्कर ए तैयबा के दो आतंकवादी उसके घर पर आए थे और उन्होंने हमले की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि पुलिस को बैठक की जानकारी नहीं दी गई थी इसलिए सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती नहीं की गई थी। कुमार ने कहा कि जिन्हें सुरक्षा दी गई थी उनके पास चार सुरक्षा गार्ड थे और वह जवाब में गोली चला सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। अधिकारी ने बताया कि चारों गार्ड को निलंबित कर दिया गया है।

दिल्ली के बवाना इलाके में झुग्गी बस्ती में आग लगी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के बवाना इलाके में मंगलवार को एक झुग्गी बस्ती में आग लग गयी। अग्निशमन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग के अनुसार, करीब 12 बजकर 35 मिनट पर बवाना की जे जे कॉलोनी में आग लगने के बारे में एक फोन कॉल आया और 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गयीं। दिल्ली अग्निशमन सेवाओं के अधिकारियों के अनुसार, आग बुझाने का काम अभी चल रहा है। आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

लोकतंत्र में बराबर की लड़ाई नहीं होगी तो लोकतंत्र मजबूत कैसे होगा: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी बांड पर केन्द्र सरकार को घेरते हुए मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र में अगर बराबर की लड़ाई नहीं होगी तो सब तरफ से लोकतंत्र मजबूत कैसे होगा। चूरू के सूजानगढ में कांग्रेस प्रत्याशी मनोज मेघवाल के नामांकन के अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे अमीर पार्टी है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी की उच्चतम न्यायालय चुनावी बॉड प्रतिबंध कर देगा लेकिन नहीं किया।

ममता का बड़ा आरोप: भाजपा यूपी-बिहार के गुंडों से अपनी पार्टी की एक और महिला की हत्या कराएगी..

'फिर बंगाल को बदनाम करेंगे'

कोलकाता। पश्चिम-बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान हो चुका है। एक अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होगी। इसमें नंदीग्राम सीट भी शामिल है। इस सबसे हाई प्रोफाइल सीट पर सीएम ममता बनर्जी और टीएमसी से बीजेपी में आए शुभेंदु अधिकारी के बीच मुकाबला है। मंगलवार को एक रैली में ममता बनर्जी ने कहा, बीजेपी की अपनी पार्टी की महिलाओं को मारने का प्लान है। वे इसके लिए बिहार और उत्तर प्रदेश से बुलाए गए गुंडों की मदद लेंगे और इलजाम बंगाल पर थोप देंगे। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित राज्यों के पुलिस बल नंदीग्राम विधानसभा सीट के मतदाताओं को भयभीत कर रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, बाहर से लाए गए पुलिसकर्मी यहां कुछ दिन रहेंगे। कोई गलती न करें। हम वापस आएंगे और दगाबाजों को करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बाहरी पुलिसकर्मियों के कथित अनुचित कृत्यों से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक अप्रैल को होने वाले चुनाव से पहले नंदीग्राम में सांप्रदायिक दंगे भड़काने की किसी भी कोशिश के खिलाफ सावधान रहें।

मोदी की बांग्लादेश यात्रा चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन..

तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की बांग्लादेश यात्रा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है और वहां उनके कुछ कार्यक्रमों का उद्देश्य राज्य के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान को प्रभावित करने का था। तृणमूल ने 28 मार्च को लिखे पत्र को मंगलवार को जारी किया। मोदी बांग्लादेश की आजादी के 50 वर्ष पूरे होने और 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए 26 से 27 मार्च तक बांग्लादेश की यात्रा पर गए थे। वह बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के निमंत्रण पर वहां गए थे।

बीजेपी उम्मीदवार पर पूर्वी मिदनापुर में हमला

मंगलवार को बीजेपी उम्मीदवार अशोक डिंडा पर हमला हुआ. भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अशोक डिंडा पूर्वी मिदनापुर के मयोना सीट से बीजेपी के उम्मीदवार है. उन्हें इस हमले में पीठ पर चोट लगी है. ऐसा आरोप है कि पचास से ज्यादा टीएमसी समर्थकों ने अशोक डिंडा की गाड़ी को मोयना बाजार के नजदीक घेर लिया था. इस दौरान उनकी गाड़ी पर पत्थराव किया गया. इस घटना में उनकी गाड़ी के शीशे टूट गए. अशोक डिंडा ने कहा- हमने अपने कार्यक्रम समाप्त कर दिए थे और लौट रहे थे. मोयना बाजार में यह हुआ. उन्होंने मेरी कार पर हमला किया. आपने भी हालत देखी होगी. फिर एक ईंट मुझे यहां (कंधे पर) लगी. मैंने दौड़कर किसी तरह खुद को बचाया. यह साजिश है. यही टीएमसी करती है.

केंद्रीय मंत्री बोले- मानसिक संतुलन खो चुकीं ममता

ममता का बयान आने के बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार किया। प्रधान ने कहा कि ममता अपना दिमागी संतुलन खो चुकी हैं। नंदीग्राम में उन्हें निगेटिव रिजल्ट देखने को मिल रहा है। वे हार रही हैं, इसलिए दुखी हैं। प्रधान ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता की मां की मौत को उत्तर प्रदेश से जोड़ना अपनी जिम्मेदारियों से भागने जैसा है।

गुरुवार को दूसरे चरण की वोटिंग

पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण में 30 विधानसभा सीटों पर गुरुवार को वोटिंग होने जा रही है. इसमें 171 प्रत्याशियों की किस्मत दांव है, जिनमें 19 महिलाएं शामिल हैं. बंगाल में कुल आठ चरणों में चुनाव होने हैं. भाजपा और राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस दूसरे चरण की सभी 30 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं.

शुभेंदु अधिकारी ने कहा- दीदी को झूठ बोलने की आदत

नंदीग्राम से बीजेपी प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी ने भी ममता के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को झूठ बोलने की आदत है। वे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही हैं। उन्हें रोजगार और निवेश जैसे मामलों पर बात करनी चाहिए।

बदतर हुई कोरोना की स्थिति

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- कोविड 19 संबंधी स्थिति हाल के दिनों में बद से बदतर हुई, पंजाब नहीं कर रहा पर्याप्त टेस्ट

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। देश में लगातार कोरोना वायरस संक्रमण में आ रही तेजी के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय सक्रिय हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज कहा कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि हो रही है, वहां जांच को तेजी से बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। पंजाब न तो पर्याप्त संख्या में जांच कर पा रहा है और न ही कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों को तत्काल पृथक-वास में भेज पा रहा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित 10 जिलों में दिल्ली, एक जिले के रूप में ली गई। ऐसे आठ जिले महाराष्ट्र से हैं। सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि का सामना कर रहे राज्यों से कहा कि आरटी-पीसीआर पर ध्यान केंद्रित कर जांच संख्या में वृद्धि की जाए, संक्रमित लोगों को तुरंत पृथक किया जाए, संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जाए, स्वास्थ्य देखरेख संबंधी संसाधनों को मजबूत किया जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने माना कि कोविड-19 संबंधी स्थिति हाल के दिनों में बद से बदतर हुई है, यह बड़ी चिंता का कारण है। सरकार ने कहा कि 11,064 नमूनों की 'जीनोम सीक्वेंसिंग' की गई, 807 नमूनों में ब्रिटेन में मिला कोरोना वायरस का नया स्वरूप पाया गया, 47 नमूनों में वायरस का दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप मिला तथा एक नमूने में वायरस का ब्राजीलियाई स्वरूप मिला।

"भारत में गत 24 घंटे में 56,211 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके साथ ही देश में अब तक कोविड-19 की जद में आए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,20,95,855 हो गई है। इस अवधि में 271 और मरीजों की संक्रमण से मौत हुई है जिससे देश में महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1,62,114 हो गई है।

इसे भी पढ़ें- दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 992 नए मामले, चार और रोगियों की मौत

सरकार ने कहा कि 'कोवैक्सीन' और 'कोविशील्ड'टीके ब्रिटेन तथा ब्राजील में मिले सार्स-कोव-2 के नए स्वरूप के खिलाफ प्रभावी है। वायरस के दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप के खिलाफ कार्य जारी है।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और उनकी पत्नी ने कोविड-19 रोधी टीके की दूसरी खुराक ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और उनकी पत्नी ने मंगलवार को दिल्ली के 'हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट' में कोविड-19 रोधी टीके की दूसरी खुराक ली। भारत में वरिष्ठ नागरिकों और पहले से किसी रोग से पीड़ित 45 से 59 साल से अधिक उम्र के लोगों के एक मार्च से कोविड-19 रोधी टीकाकरण की शुरुआत की गई थी। वर्धन की पत्नी नूतन गोयल ने पहले टीका लगवाया। उन्हें कोवैक्सीन टीके की दूसरी खुराक दी गई। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने भी टीके की खुराक ली। उन्होंने दो मार्च को टीके की पहली खुराक ली थी।

पलक्कड़ निर्वाचन क्षेत्र में विधानसभा चुनावों के लिए एक चुनाव प्रचार रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय राज्य मंत्री वेल्लमवेली मुरलीधरन और भाजपा प्रत्याशी ई.श्रीधरन ।

प्रियंका गांधी ने केरल सरकार को बताया 'घोटालों की सरकार'

कोल्लम/करुनागपल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केरल में छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये मंगलवार को प्रचार अभियान के दौरान राज्य की माकपा नीत एलडीएफ सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह धोखाधड़ी और घोटालों वाली सरकार है, जो उद्योगपतियों के घोषणापत्र पर अमल कर रही है। गांधी ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने वामपंथी घोषणा पत्र लागू करने की शपथ ली थी, लेकिन वास्तव में वह केन्द्र की मोदी सरकार की तरह उद्योगपतियों के घोषणापत्र पर अमल कर रही है। उन्होंने कोल्लम में एक जनसभा के दौरान सोना तस्करी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वाम सरकार केरल के असली सोने यानी राज्य की जनता को पहचानने में नाकाम रही।

6 अप्रैल को केरल विधानसभा की 140 सीटों पर चुनाव होंगे। ऐसे में कांग्रेस की ओर से लगातार राज्य में धुआंधार प्रचार किया जा रहा है। राहुल गांधी के बाद अब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी प्रचार के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। दो दिवसीय दौरे पर आज प्रियंका गांधी केरल पहुंचीं।

गांधी ने आरोप लगाया कि एलडीएफ सरकार ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को मत्स्य कारोबार का ठेका देकर विदेशी सोने और सोने की तस्करी में अधिक दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने करुनागपल्ली, कोल्लम और कोट्टाराका में सिलसिलेवार तरीके से जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा, इनका एजेंडा राज्य की संपत्ति को उद्योगपतियों को बेचना है।

अररिया में दर्दनाक हादसा : भुट्टा पकाने के दौरान घर में अचानक लगी आग

जिंदा जल गए 6 मासूम

अररिया। बिहार के अररिया में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया, जब एक घर में आग लगने से 6 बच्चों की मौत हो गई। घटना पलासी प्रखंड के चहटपुर पंचायत स्थित कवैय्या गांव का है। जिसके बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि पुआल के घर में ही सभी बच्चे खेलने के साथ ही मक्के का भुट्टा पका रहे थे। इसी दौरान चिंगारी से पुआल के घर में आग लग गई। अचानक आग लगते ही चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत इस पर काबू पाने की कवायद शुरू की। हालांकि, तब तक काफी देर हो गई। आग इतनी तेजी से फैली की सभी बच्चे उसमें झुलस गए और उनकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना के बाद पलासी थाना पुलिस के साथ एसपी, एसडीपीओ और सदर एसडीओ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भिजवाया।

सूचना के बाद मौके पर एसपी हृदयकान्त, एसडीपीओ पुष्कर कुमार समेत एसडीओ और पलासी थाना पुलिस मौके पर पहुंची है। मामले की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। चारों ओर कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बच्चों की उम्र 5 से 6 साल के बीच

मृतकों में दो बच्चियां हैं। सभी मृत बच्चे पांच से छह साल के हैं। मृतकों में मोहम्मद यूनिक का पांच साल का पुत्र अशरफ, मिन्हाज की छह साल की बच्ची मुन्नी, मोहम्मद फारूक का पांच साल का बेटा बरकश अली, मोहम्मद मतीन के पांच साल का पुत्र अली हासन, मोहम्मद तनवीर की पांच साल की बेटी खुशनियार, मोहम्मद मंजूर के छह साल का बेटा दिलवर है।

यूजीसी बोर्ड का अहम फैसला: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षण संस्थानों में 31 मार्च 2022 तक सभी स्कीमें रहेंगी जारी

नई दिल्ली । नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलावों को लेकर जुटे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने फिलहाल उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़ी अपनी सभी स्कीमों को आगे भी जारी रखने का फैसला लिया है। इनमें पोस्ट ग्रेजुएट स्कॉलरशिप सहित कुल 32 स्कीमें शामिल हैं। इसमें ज्यादातर फेलोशिप से जुड़ी हैं। यूजीसी ने इन सभी स्कीमों की अवधि को अब 31 मार्च, 2022 तक के लिए बढ़ा दिया है।

इस बीच जिन प्रमुख स्कीमों को आगे भी जारी रखने की मंजूरी दी गई है, उनमें पोस्ट ग्रेजुएट स्कॉलरशिप स्कीम, भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने से जुड़े शोध को गति देने के लिए स्ट्राइड स्कीम, शोध की गुणवत्ता को परखने के लिए केयर स्कीम, यूजीसी चेयर्स, स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान, ट्रैवल ग्रांट फॉर कालेज टीचर सहित दर्जनभर से ज्यादा फेलोशिप स्कीम शामिल है।

यूजीसी का यह फैसला इसलिए भी अहम है, क्योंकि नीति से जुड़े बदलावों के बीच भी छात्रों को पहले जैसा फायदा मिलता रहेगा। हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा से जुड़े जिन बड़े बदलावों की सिफारिश की गई है, उनमें यूजीसी की जगह एक भारतीय उच्च शिक्षण आयोग का गठन होना है। साथ ही इसके अधीन चार अन्य संस्थानों को भी गठन होगा जो फंडिंग, शोध, गुणवत्ता और नियामक आदि को लेकर काम करेंगे। फिलहाल शिक्षा मंत्रालय इस नए आयोग के गठन को लेकर तेजी से काम कर रहा है। मौजूदा समय में यूजीसी के पास ही उच्च शिक्षण संस्थानों को फंडिंग, नियामक आदि का अधिकार है। माना जा रहा है कि नीति के लागू होने के बाद पहले से चल रही इन स्कीमों में भी बदलाव हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

फ्लायड हत्याकांड की सुनवाई शुरू, नस्ली भेदभाव के चर्चित इस केस में हत्याभियुक्त पुलिसकर्मी के खिलाफ पेश हुए गवाह

मिनियापोलिस, एजेंसियां। अमेरिका के चर्चित अश्वेत जॉर्ज फ्लायड की हत्या के आरोप में अदालत में सुनवाई शुरू हो गई है। सुनवाई के दौरान अदालत को वह वीडियो दिखाया गया, जो दुनियाभर में वायरल हुआ। उसमें एक पुलिसकर्मी फ्लायड की गर्दन को पैरों से जकड़कर दबा रहा है।

अभियोजन पक्ष की दलील थी कि पुलिसकर्मी डेरेक शॉविन ने फ्लायड को जिस तरह से मारा है, ऐसी स्थिति में यह मामला अमेरिका के न्याय तंत्र की एक परीक्षा है। पुलिसकर्मी डेरेक ने गिरफ्तार करने के लिए जरूरत से ज्यादा ताकत का इस्तेमाल कर अपने पद का दुरुपयोग किया। वहीं बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि फ्लायड ने ड्रग्स का सेवन किया था, उसी के कारण वह मरा। इस मामले की सुनवाई राजनीतिक या सामाजिक आधार पर किया जाना उचित नहीं होगा। सुनवाई के दौरान तीन गवाह पेश हुए, जिनसे दोनों पक्षों के वकीलों ने कई सवाल किए। एक गवाह ने बताया कि फ्लायड ऐसे मर रहा था,जैसे किसी थैली में बंद मछली की जान निकल रही है।

सुनवाई के दौरान जॉर्ज फ्लायड के परिवारीजन भी मौजूद थे। वे नौ मिनट 29 सैकेंड तक घुटनों के बल बैठे रहे। फ्लायड की मौत के दौरान पुलिसकर्मी डेरेक शॉविन ने इतने समय तक ही उसकी गर्दन दबाई थी।

पिछले साल मई में जॉर्ज फ्लायड की मौत के बाद पूरे अमेरिका में पुलिस क्रूरता और नस्ली हिंसा के खिलाफ जबर्दस्त आंदोलन का दौर चला। यही नहीं पूरे विश्व में नस्ली भेदभाव व हिंसा के खिलाफ %आई कांट ब्रीद% अभियान चलाया गया।

तंजानिया के दिवंगत राष्ट्रपति जॉन मगुफुली की शोक सभा में भगदड़, 45 लोगों की गई जान

दार-ए-सलाम । पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया के दिवंगत राष्ट्रपति जॉन मगुफुली की शोक सभा में भगदड़ मच जाने से कई दर्जन लोगों की मरने की सूचना है। बताया गया कि वाणिज्यिक राजधानी दार-ए-सलाम स्थित एक स्टेडियम में यह भगदड़ मची। लोकल मीडिया ने रिपोर्ट किया कि तमाम लोग स्टेडियम में पिछले दिनों अंतिम सांस लिए राष्?ट्रपति जॉन पॉम्?बे को याद करने के लिए एकत्र हुए थे। इसी दौरान मची भगदड़ में 45 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। लगभग 12-13 दिन पहले अंतिम सांस लिए मगुफुली का निकनेम बुलडोजर था। उन्?हें ये नाम उनकी नीतियों की वजह से मिला था। उनके निधन की जानकारी उपराष्?ट्रपति सामिया सुलुहू हासन ने दी थी। वहीं, उनकी मृत्यु के कुछ दिनों के भीतर सामिया हसन को राष्ट्रपति बना दिया गया। सामिया सुलुहू हसन पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया की पहली महिला राष्ट्रपति बनी थी। उन्हें मुख्य न्यायाधीश इब्राहिम जुमावोइंग ने दार-ए-सलाम में सरकारी कार्यालय स्टेट हाउस में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई थी।

मृत्यु कैसे हुई- सामिया हसन ने जानकारी देते हुए बताया था कि मगुफुली का निधन हार्ट अटैक से हुआ, जबकि बेल्जियम में निर्वासित जीवन गुजार रहे विपक्ष के नेता टुंडू लिसू ने राष्ट्रपति की मौत की वजह कोरोना को बताया है। बता दें कि मगुफुली ने कोरोना को तंजानिया के लिए समस्या मानने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय प्रार्थना ने देश से कोरोना को खत्म कर दिया है। निधन से एक हफ्ते उन्होंने माना था कि कोरोना देश के लिए गंभीर खतरा है।

भारत यात्रा के लिए नहीं पड़ेगी पुराने पासपोर्ट की जरूरत, सरकार ने ओसीआइ कार्ड धारकों को दी राहत

वाशिंगटन । विदेशी नागरिक (ओसीआइ) का कार्ड रखने वाले भारतीय मूल या भारतीय समुदाय के लोगों को अब अपने देश आने के लिए पुराना पासपोर्ट साथ रखने की आवश्यकता नहीं है। भारतीय दूतावास ने केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना का जिक्र करते हुए सोमवार को बताया कि ओसीआइ कार्ड के साथ पुराना पासपोर्ट रखने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इस घोषणा ने विदेशों में रह रहे भारतीयों की एक बड़ी चिंता को दूर कर दिया है। दूतावास की ओर से कहा गया है कि अब से पुरानी पासपोर्ट संख्या वाले मौजूदा ओसीआइ कार्ड के सहारे यात्रा करने वाले व्यक्ति को पुराना पासपोर्ट साथ रखने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि नया पासपोर्ट साथ रखना अनिवार्य होगा।

भारत सरकार ने 20 वर्ष से कम और 50 वर्ष से अधिक की आयु वाले कार्डधारकों के लिए ओसीआइ कार्ड दोबारा जारी करने की समय सीमा को बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2021 करने का भी फैसला किया है। वर्ष 2005 से लागू ओसीआइ के दिशानिर्देशानुसार, 20 वर्ष से कम और 50 वर्ष से अधिक आयु के कार्डधारकों को हर बार नया पासपोर्ट बनवाने पर अपना कार्ड दोबारा जारी कराना होता है। भारत सरकार ने कोरोना महामारी के कारण इसकी समय सीमा कई बार बढ़ाई है, लेकिन ओसीआइ कार्डधारकों के लिए यात्रा के दौरान पुराने पासपोर्ट को साथ रखने की अनिवार्यता में छूट पहली बार दी गई है।

नेपाल में कोरोना नहीं बल्कि वायु प्रदूषण के चलते 2 अप्रैल तक बंद रहेंगे स्कूल, सामने आई ताजा तस्वीर

काठमांडू । नेपाल में इन दिनों कोरोना नहीं बल्कि बढ़ते प्रदूषण के चलते सभी स्कूलों को बंद करने का एलान किया गया है। नेपाल में पहली बार प्रदूषण के चलते राजधानी काठमांडू के स्कूलों को बंद करना पड़ रहा है। बता दें कि यह मामला बेहद हैरान करने वाला है क्योंकि देश में पहली बार इस तरह की स्थिति के चलते इस प्रकार का निर्णय लिया गया। नेपाल सरकार ने आदेश दिया है कि सभी स्कूलों को शुक्रवार तक बंद रखा जाए। इस दौरान बंद पड़े स्कूलों की तस्वीरें भी देखने को मिल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल में वायु प्रदूषण के चलते साल 2019 में 22 फीसदी नवजातों की जन्म के एक महीने के भीतर मौत हुई थी। इसके अलावा जंगल में आग लगने के चलते काठमांडू घाटी में हवा की शुद्धता में खासी गिरावट दर्ज हुई है। जानकारी के माने तो कुछ सालों में यहां पर स्थिति बहुत खराब हो गई है। इसके चलते नेपाल सरकार ने यह फैसला किया है कि लोग घर से बाहर ना निकलें और वायु प्रदूषण से अधिक प्रभावित ना हों। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने-अपने घरों से बाहर न निकले। इसके साथ ही नेपाली सरकार ने सभी लोगों से फिलहाल कंस्ट्रक्शन का काम रोकने की अपील की है ताकी प्रदूषण को कम किया जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल के कई जंगलों में आग लगने के चलते धुएं की चादर आकाश में बिछ गई है और यह चादर नेपाल के कई जिलों में फैलती जा रही है।

भारत के कपास पर रोक से पाक की टेक्सटाइल इंडस्ट्री की हालत खराब, सरकार से रोक हटाने को कहा

इस्लामाबाद । बिगड़ते आर्थिक हालात के कारण पाक अब भारत से अच्छे संबंधों की पहल करना चाहता है। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के विरोध में पाक के तेवरों में आई गर्मी अब ठंडी पड़ने लगी है। धारा 370 हटाने के दौरान कपास के आयात पर रोक के बाद अब पाकिस्तान फिर हालात सामान्य करना चाहता है। इसके लिए सरकारी स्तर पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस रोक से पाक की टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज दिक्कत में आ गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के अधीन काम करने वाले टेक्सटाइल मंत्रालय ने कच्चे माल की जबर्दस्त कमी के कारण भारत से कपास और सूती धागे के आयात के लिए तुरंत रोक हटाने की संस्तुति आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) से की है। आधिकारिक सूत्र ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में एक सप्ताह पहले ही आयात पर रोक हटाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अब निर्णय कैबिनेट को लेना है। ज्ञात हो कि पाकिस्तान ने भारत में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले के विरोध में कपास के आयात पर रोक लगा दी थी। इसके बाद पाक ने भारत के खिलाफ अंतरराष्?ट्रीय स्तर पर दुष्प्रचार कर मुस्लिम देशों को लामबंद करने की असफल कोशिश की। पाक नासमझी भरे निर्णयों से लाभ के बजाय नुकसान होने के बाद अब इन कदमों को वापस लेना चाहता है। उसकी कॉटन इंडस्ट्री की हालत खराब हो गई है और कच्चे माल की जबर्दस्त कमी होने के कारण कई कपड़ा मिल बंद होने के कगार पर आ गई हैं।

इमरान खान की देशवासियों से भावुक अपील, कहा- ...तो देश के अस्पताल नहीं संभाल सकेंगे ऐसे हालात

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने देशवासियों को आगाह किया है कि यदि उन्होंने कोरोना महामारी के प्रति लापरवाही दिखाई तो देश में इतने मामले होंगे कि जिसको संभाल पाना भी मुश्किल हो जाएगा। देशवासियों को दिए अपने एक संदेश में उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव का केवल एक ही तरीका है। वो ये कि इसको लेकर पूरी एहतियात बरतें। मुंह पर मास्क लगाएं और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से परहेज करें। एक दूसरे से दूरी बनाए रखें और हाथ और मुंह को साबुन से धोते रहें।

इमरान ने इस दौरान ये भी कहा कि उन्होंने पूरा एक साल सभी तरह की एहतियात बरतीं। इस दौरान न तो उन्होंने बाहर खाना खाया और न ही किसी से मिले। इस तरह से वो इतने समय तक इस महामारी की चपेट में आने से बचे रहे। लेकिन जैसे ही वो सीनेट चुनाव को लेकर लोगों के बीच गए तो एक दूसरे से दूरी बनाने का नियम काम नहीं कर सका। इस दौरान वो कई लोगों से मिले जिसका नतीजा हुआ की वो कोरोना पॉजीटिव हो गए। पाकिस्तान के पीएम ने कहा कि देश की आर्थिक हालत ऐसी नहीं है कि फिर से जगह जगह लॉकडाउन लगाया जाए। ऐसा हुआ तो देश बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगा जिससे निकलना भी मुश्किल होगा। उन्होंने बेहद साफ शब्दों में लोगों से कहा कि यदि वो भी इस तरह की लापरवाही करेंगे तो कोरोना संक्रमितों की संख्या को सरकार बढ़ने से नहीं रोक सकेगी। वहीं देश की स्वास्थ्य सेवाएं इस आपात स्थिति का सामना नहीं कर सकेंगी। इसलिए सभी एहतियात बरतें।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के पीएम ने कुछ दिन पहले ही खैबर पख्तूंख्वां में एक यूनिवर्सिटी के नए ब्लॉक का उदघाटन करते समय कहा था कि देश पर हजारों करोड़ का कर्ज है। इस कर्ज को काफी कुछ उतार दिया गया है लेकिन अब भी देश पर इतना कर्ज बकाया है। कर्ज चुकाने के लिए भी पाकिस्तान को कर्ज लेना पड़ा है। उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया था कि इस दौरान बढ़ती महंगाई ने हर किसी का खेल खराब कर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा था कि आर्थिक रूप से कमजोर होने की वजह से सरकार स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा पर खर्च नहीं कर पा रही है। आपको बता दें कि पिछले दिनों ही इमरान खान कोविड-19 टेस्ट में पॉजीविट पाए गए थे। उनके अलावा उनकी पत्नी भी इससे संक्रमित हैं। पीएम के विशेष सहायक ने बताया है कि इमरान खान कुछ दिनों के बाद अपना काम दोबारा शुरू कर देंगे। उन्होंने ये भी बताया कि इमरान की रिकवरी तेजी से हो रही है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और रक्षा मंत्री भी कोरोना पॉजीटिव हो गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी है।

पाकिस्तान के अखबार द डॉन के मुताबिक उन्होंने अब तक कोरोना वैक्सीन की केवल एक ही खुराक ली है। जबकि शरीर में दूसरी खुराक के बाद एंटीबॉडीज बननी शुरू होती हैं। देश की प्रथम महिला ने लोगों से अपील की है कि वो वैक्सीन से न घबराएं और इसको जरूर लें। पाकिस्तान में लगातार कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। मौजूदा समय में पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के अब तक 659,116 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं ठीक होने वालों की संख्या 598,197 हो चुकी है जबकि 14,256 मरीज संक्रमित होने के बाद दम तोड़ चुके हैं।

मसूड़ों के संक्रमण से पीड़ित मरीजों में हाई बीपी का जोखिम अधिक, नए शोध में आया सामने

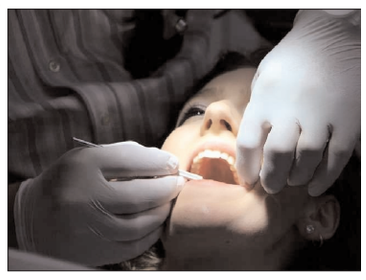

वॉशिंगटन । एक नए अध्ययन से पता चला है कि मसूड़ों के संक्रमण से पीड़ित लोगों में हाई ब्लड प्रेशर होने की आशंका अधिक होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, हाई ब्लड प्रेशर 45 फीसद वयस्कों को प्रभावित करता है और यह दुनियाभर में समय से पहले मौत का एक बड़ा कारण है। वहीं मूसड़ों की बीमारी यानी पेरियोडोंटाइटिस दुनिया की आधी से अधिक आबादी को प्रभावित करती है। यह अध्ययन अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल हाइपरटेंशन में प्रकाशित हुआ है।

पूर्व में किए गए अध्ययनों से हाई बीपी और पेरियोडोंटाइटिस के बीच संबंधो की पुष्टि तो होती है, लेकिन इसके चलते होने वाली मौतों के बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता है। पेरियोडोंटाइटिस मसूड़ों के ऊतकों का संक्रमण है। यह एक बहुत ही सामान्य स्थिति है। इसमें मसूड़ों में सूजन के साथ उनसे खून भी आ सकता है। अगर इस बीमारी का इलाज नहीं कराया जाए तो दांत भी गिर सकते हैं।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के ईस्टमैन डेंटल इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर ने कहा कि पेरियोडोंटाइटिस से पीड़ित लोगों में हाई ब्लड प्रेशर की संभावना अधिक रहने के कारण उन्हें इसके जोखिम के बारे में बताया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्हें उत्तम आहार लेने और व्यायाम करने की सलाह देनी चाहिए।

अध्ययन में 250 ऐसे वयस्कों को शामिल किया गया, जो पेरियोडोंटाइटिस से पीड़ित थे। वहीं 250 वयस्कों का एक दूसरा समूह भी बनाया गया, जिनमें किसी तरह की समस्या नहीं थी। जिन लोगों को इस अध्ययन में शामिल किया गया, उनकी औसत आयु 35 वर्ष थी। शोध में 52.6 फीसद महिलाओं को रखा गया था। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि जिन लोगों को मसूड़ों की बीमारी थी, वह उच्च रक्तचाप की समस्या से भी ग्रसित थे।

ऑस्ट्रेलिया में चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर सैकड़ों लोग जमा, चीन में मानवाधिकारों के उल्लंघन का विरोध

एडीलेड । शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के खिलाफ मानवाधिकारों के उल्लंघन के विरोध में सैकड़ों लोग मंगलवार को एडिलेड में चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर एकत्र हुए। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने यहां नवनिर्मित चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर उग्र दृश्यों के वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जहां लोगों ने नारे लगाए और पूर्वी तुर्केस्तान के झंडे उठा रखे थे। बता दें कि एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी उइगर आबादी है, जहां चीनी जासूसी की आशंका जताई जा रही है।

वहीं, कई लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा भय के कारण चीनी वाणिज्य दूतावास खोलने का विरोध किया है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के एक स्वतंत्र सीनेटर रेक्स पैट्रिक ने ट्वीट किया, एडिलेड में चीन की नई वाणिज्य दूतावास हमारे नौसैनिक जहाज निर्माण परियोजनाओं और एसए आधारित रक्षा उद्योगों के लिए एक स्पष्ट सुरक्षा खतरा है। इसे कभी नहीं खोला जाना चाहिए था और इसे बंद करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा पहले स्थान होनी चाहिए।

बता दें कि उइगर मुसलमानों को प्रताड़ित करने के लिए चीन को विश्व स्तर पर फटकार लगाई गई है। चीन पर सामूहिक बंदी शिविरों में भेजने, उनकी धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने और समुदाय के सदस्यों को जबरन पुनः शिक्षा या स्वदेशीकरण के किसी न किसी रूप से गुजरने का आरोप लगाया गया है।

दूसरी ओर, बीजिंग ने शिनजियांग में मानवाधिकारों का हनन होने के दावा को खारिज किया है। जबकि पत्रकारों, गैर सरकारी संगठनों और पूर्व बंदियों की रिपोर्ट सामने आई है, जो जातीय समुदाय पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की क्रूर कार्रवाई को उजागर करती है।

2017 के बाद से, सरकार द्वारा शिनजियांग में उइगर और अन्य समूहों के खिलाफ बड़े पैमाने पर बड़े पैमाने पर राजनीतिक रीडेडेबिलिटी अभियान चलाया गया है। विद्वानों ने अनुमान लगाया है कि शिविरों में हिरासत में रखे गए एक लाख से अधिक लोग, कुछ जेल में स्थानांतरित हो गए और अन्य पर कारखानों में काम करने का दबाव डाला गया। वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया।

पिछले हफ्ते, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा ने शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के खिलाफ मानव अधिकारों के उल्लंघन और दुर्व्यवहार के लिए चीन को फटकार लगाई थी। बता दें कि शिनजियांग में उइगर मुस्लिमों के खिलाफ बड़े पैमाने पर मानव अधिकारों का उल्लंघन अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चर्चा का प्रमुख बिंदु बन गया है।

म्यांमार में सेना के तख्तापलट पर सख्ती, अमेरिका ने व्यापार सौदा पर लगाई रोक

वाशिंगटन । संयुक्त राज्य अमेरिका ने सोमवार को म्यांमार के साथ व्यापार समझौते को निलंबित कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि जब तक कि एक लोकतांत्रिक सरकार बहाल नहीं होती, तब तक व्यापार समझौते पर रहेगी रोक। बता दें कि एक फरवरी से तख्तापलट के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देश में आए दिन लोगों को मारा जा रहा है। वहां पर जनता सड़कों पर है और सेना की जबरदस्ती के विरूद्ध विरोध प्रदर्शन कर रही है, जिसपर हिंसक कार्रवाई की जा रही है।

सेना ने चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंका, आंग सान सू की और अन्य नागरिक नेताओं को जेल में डाल दिया और इसके विरोध में सड़कों पर आए प्रदर्शनकारियों को मार डाला और कई लोग अभी भी कैद में है। बता दें कि म्यांमार को बर्मा के नाम से भी जाना जाता है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने एक बयान में कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका बर्मा के लोगों को लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए राज्यपालों को बहाल करने के उनके प्रयासों का समर्थन करता है। उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका बर्मी सुरक्षा बलों की नागरिकों के खिलाफ क्रूर हिंसा की कड़ी निंदा करता है।

] शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों, छात्रों, श्रमिकों, श्रमिक नेताओं, मध्यस्थों और बच्चों की हत्या ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

ताई के कार्यालय ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका तुरंत सभी 2013 के व्यापार और निवेश ढांचे समझौते, जो बर्मा के साथ किए गए थे, उनपर रोक लगाता है। हालांकि, बताया गया कि ताई की घोषणा सोमवार को दोनों देशों के बीच व्यापार को रोकती नहीं है। लेकिन अमेरिका अलग से म्यांमार पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रहा है। इससे पहले सैन्य अधिग्रहण के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम ने पहले म्यांमार की सेना, म्यांमार इकोनॉमिक होल्डिंग्स लिमिटेड और म्यांमार इकोनॉमिक कॉर्प द्वारा नियंत्रित दो समूह पर प्रतिबंध लगाए थे।

7 हजार किमी के सफर को महज 200 किमी में बदल देती है स्वेज नहर

वॉशिंगटन । स्वेज नहर लाल सागर और भूमध्य सागर के बीच मौजूद एक सबसे छोटा जलमार्ग है। इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि ये मार्ग 7000 किमी की दूरी को महज 300 किमी में बदल देता है। इससे समुद्र के रास्ते माल ढुलाई करने वाले जहाजों का समय बचता है और साथ में खर्च भी कम आता है। इस मार्ग की बदौलत जहाजों को अफ्रीका महाद्वीप का चक्कर काटकर भूमध्य सागर में जाने से छुटकारा मिल जाता है। ये पनामा नहर की ही तरह से काम करता है। स्वेज नहर करीब 194 किमी लंबी है।

इस नहर की अहमियत का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वर्ष 2020 में इस नहर से 18500 जहाज (औसतन 52 जहाज हर रोज) गुजरे थे। यदि किसी जहाज को भूमध्य सागर में जाने के लिए अफ्रीका महाद्वीप का चक्कर लगाना पड़े तो उसको 7 हजार किमी का सफर करना होगा। इसके साथ ही ये सफर कई दिनों का होगा। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पिछले सात दिनों से ये मार्ग बंद था। इसकी वजह थी इस नहर में फंसा एवरग्रीन कंटेनर शिप , जो 23 मार्च को इसमें तिरछा होकर फंस गया था।आगे बढ़ने से पहले पहले आपको बता दें कि इस नहर को 17 नवंबर 1869 को इस नहर को आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था। अगस्त 2014 में मिस्र की सरकार ने इसको और अधिक चौड़ा किया था जिसके बाद यहां से तेजी से जहाजों का निकलना सुनिश्चित हो सका था जिसे बाद में अगस्त 2015 में खोला गया था। इस पर करीब 60 बिलियन मिस्र पाउंड का खर्च आया था। हालांकि इसको आधिकरिक तौर पर 24 फरवरी 2016 को खोला गया था।

फिलहाल स्वेज नहर में फंसा एवरग्रीन कंटेनर शिप एवरग्रीन को सीधा कर टग बोट से खींचने में सफलता हासिल हो गई है। अब ये ग्रेट बिटर लेक की तरफ चल पड़ा है। खुदाई की विशाल मशीनों की मदद से शिप के नीचे और आसपास की जगह से करीब 20 हजार टन रेत को निकाला गया।

इसके बाद करीब 14 टग बोट की मदद से इस विशाल कंटेनर शिप को सीधा किया गया और फिर खींचा गया। ये शिप करीब एक सप्ताह से नहर में फंसा हुआ था। इस अहम समुद्री मार्ग का रास्?ता खुलने से कंपनियों ने राहत की सांस ली है। इस शिप के इस तरह से नहर में फंस जाने की वजह से 900 करोड़ डॉलर के सामान को अपने गंतव्?य तक पहुंचने में देरी का सामना करना पड़ा है।आपको बता दें कि ये जापान की कंपनी Shoei Kisen KK नाम से पनामा में रजिस्टर्ड है और इसको एवरग्रीन मरीन कंपनी ऑपरेट करती है।

इस कंपनी के मालिक युकीतो हिगाकी के मुताबिक शिप के इस तरह से फंसने से इसके प्रोपेलर और रडलर में कोई दिक्कत नहीं आई है। 400 मीटर लंबा ये शिप मलेशिया से नीदरलैंड जा रहा था। ये कंटेनर शिप आकार में न्यूयॉर्क की एंपायर स्टेट बिल्डिंग की बराबर था। बर्नहार्ड शॉल्ट शिपमैनेजमेंट ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस शिप की वजह से नहर में किसी तरह का कोई प्रदूषण नहीं हुआ और न ही शिप को कोई नुकसान पहुंचा है। बयान में शिप के इस तरह से फंसने की वजह का तो खुलासा नहीं किया गया हालांकि इसके लिए मैकेनिकल और इंजन में आई गड़बड़ी की समस्या से भी इनकार नहीं किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ने लांच की अपनी आधिकारिक वेबसाइट, सीधे जनता से जुड़ेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट 45आफिस.कॉम लांच की है। इस वेबसाइट को अमेरिका के 45 वें राष्ट्रपति के अब तक किए गए सभी कामों की जानकारी के साथ जनता से सीधे जुड़ने का भी प्लेटफार्म बनाया गया है। माना जा रहा है कि ट्रंप सीधे जनता से जुड़कर 2024 की चुनावी तैयारियों में लगे हुए हैं, उसी कड़ी में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वेबसाइट में ट्रंप ने अपनी पत्नी और पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को भी प्रमुखता दी है। वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर उनकी भी फोटो को प्रमुख स्थान दिया है। इस वेबसाइट के माध्यम से अमेरिकी जनता उनको बधाई देने के साथ ही किसी भी विषय पर अपनी राय भी दे सकती है। ट्रंप के होने वाले कार्यक्रमों में भी इसी वेबसाइट के माध्यम से शामिल हुआ जा सकेगा।

ज्ञात हो कि 6 जनवरी को संसद में हिंसा के बाद इंटरनेट मीडिया के कई प्लेटफॉर्म ने ट्रंप पर रोक लगा दी थी। उसके बाद पहली बार इस वेबसाइट के माध्यम से ट्रंप जनता से जुड़ने जा रहे हैं।

म्यांमार में सिक्योरिटी फोर्सेस के हाथों अब तक मारे जा चुके हैं करीब 500 प्रदर्शनकारी

वाशिंगटन। म्यांमार में हालात लगातार बेकाबू होते जा रहे हैं। सोमवार को भी म्यांमार सिक्योरिटी फोर्स ने सैन्य शासन का विरोध कर प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई जिसमें पांच प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इनमें से तीन की मौत यंगून में तो दो की मिंग्यान में हुई है। असिसटेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स एडवोकेसी ग्रुप के मुताबिक म्यांमार में सेना द्वारा 1 फरवरी को लोकतांत्रिक सरकार का तख्ता पलट किए जाने के बाद से अब तक सिक्योरिटी फोर्स के हाथों करीब 464 लोग मारे जा चुके हैं। एडवोकेसी ग्रुप के मुताबिक इनकी असल संख्या और अधिक हो सकती है।

चश्मदीदों के मुताबिक सोमवार को हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए सिक्योरिटी फोर्स काफी भारी केलिबर वैपन का इस्तेमाल किया। हालांकि अब तक इस हथियार को लेकर कुछ भी पुष्ट तरह से नहीं कहा जा सकता है कि ये क्या था। म्यांमार के स्टेट टेलिवीजन ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए सिक्योरिटी फोर्स ने दंगा रोकने में इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों का इस्तेमाल किया है। जब इस बारे में जुंता के प्रवक्ता से बात करने की कोशिश की गई तो वो नाकाम रही।

आपको बता दें कि दो दिन पहले ही म्यांमार में सिक्योरिटी फोर्स के हाथों 114 प्रदर्शनकारियों की हत्या कर दी गई थी। 1 फरवरी से ही म्यांमार की सड़कों पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल करने की मांग हो रही है।

अमेरिका के भारतवंशी दंपति ने बिहार-झारखंड को दिए एक करोड़ रुपये

वाशिंगटन । अमेरिका के एक भारतवंशी दंपति ने बिहार और झारखंड के ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करने के लिए एक करोड़ रुपये से ज्यादा का दान दिया है। यह जानकारी बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) ने दी है।

अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के रमेश और उनकी पत्नी कल्पना भाटिया ने यह दान देने की घोषणा की है। दान की गई राशि उपरोक्त संस्था और प्रवासी एल्यूमिनी निःशुल्क (प्रान) की संयुक्त रूप से दोनों प्रदेशों के देहात क्षेत्र में चल रही योजनाओं में खर्च किया जाएगा।

प्रान अमेरिका में काम करने वाले भारतवंशी डाक्टरों की संस्था है। यह संस्था बिहार और झारखंड में ऐसे स्थानों पर काम कर रही है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति कमजोर है। प्रान ने रांची में एक क्लीनिक खोला हुआ है। यहां मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। बीएजेएएनए के अध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने बताया कि दान में दी गई राशि से संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

फाइजर और मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन पहले डोज के बाद अत्यधिक प्रभावी- अध्ययन

वॉशिंगटन । बायोटेक एसई और मॉडर्ना इंक के साथ फाइजर इंक द्वारा विकसित कोरोना वैक्सीन दोनों खुराकों के दो हफ्ते बाद 80 फीसद तक संक्रमण के जोखिम को कम करने में सक्षम है। सोमवार को रियल वर्ल्ड यूएस स्टडी द्वारा जारी अंकड़ों में यह बात सामने आई है। लगभग 4,000 अमेरिकी स्वास्थ्य कर्मियों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि संक्रमण का खतरा दूसरी खुराक के दो हफ्ते बाद 90 फीसद तक कम हो गया।

ताजा आंकड़ों ने पहले के अध्ययनों को भी सही साबित किया है, जिसमें संकेत दिया गया था कि पहली खुराक के तुरंत बाद वैक्सीन काम करना शुरू कर देती है और यह बिना लक्षण वाले संक्रमणों को भी रोकने में सक्षम है। वैक्सीन की सीमित आपूर्ति का सामने कर रहे कुछ देशों ने फिलहाल वैक्सीन की दूसरी खुराक के समय को आगे बढ़ा दिया है, ताकि कुछ और लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक दी जा सके।

अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा किए

गए अध्ययन में संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन की क्षमता का मूल्यांकन किया गया, जिसमें बिना लक्षण वाले संक्रमण भी शामिल हैं। कंपनियों द्वारा पिछले परीक्षणों में बीमारी को रोकने में उनके टीके की प्रभावकारिता का मूल्यांकन के दौरान बिना लक्षण वाले संक्रमणों का आध्ययन शामिल नहीं किया गया था।

14 दिसंबर, 2020 से 13 मार्च, 2021 तक 13 हफ्तों की अवधि में छह राज्यों में 3,950 प्रतिभागियों के बीच किए गए अध्ययन में एमआरएनए वैक्सीन की प्रभावशीलता का अध्ययन किया गया। इस दौरान लगभग 74 फीसद लोगों को वैक्सीन की एक ही खुराक दी गई और बिना लक्षण वाले संक्रमण को पकड़ने के लिए साप्ताहिक रूप से परीक्षण किया गया।

सीडीसी के निदेशक रोशेल वालेंस्की ने एक बयान में कहा कि कोरोना की एमआरएनए वैक्सीन हमारे देश के स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और अन्य फ्रंटलाइन श्रमिकों को संक्रमण के खिलाफ तेजी से सुरक्षा प्रदान करती है। नई एमआरएनए तकनीक एक प्राकृतिक रासायन का सिंथेटिक रूप है, जिसका उपयोग कोशिकाओं में प्रोटीन बनाने के लिए किया जाता है।

एक नजर

नई पार्किंग नीति से दिल्ली के लाखों आटो और टैक्सी चालक परेशान

नई दिल्ली। नई पार्किंग नीति के तहत ली जा रही फीस आटो और टैक्सी वालों के लिए जी का जंजाल बन गई है। चालान और पार्किंग शुल्क के रूप में इनसे एक-एक लाख रुपये तक का जुर्माना लिया जा रहा है। इसे भर पाना हर आटो चालक के लिए आसान नहीं है, ऐसे में उनके सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। ऐसा ही एक मामला हाल ही में सामने आया है। बिहार के मोतिहारी निवासी मुर्तजा ने बताया कि वह दिल्ली में रजोकरी में रहते हैं। मां की तबीयत खराब होने पर वह गांव चले गए थे, जबकि उनके आटो को ड्राइवर चला रहा था। इसी बीच परिवहन विभाग की सतर्कता विंग ने आटो पकड़ लिया और उसे जब्त कर लिया। दिल्ली लौटने पर मुर्तजा जब आटो के बारे में पता करने गए तो परमिट नहीं होने का उन पर 65 हजार का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद पार्किंग शुल्क का उनसे 44 हजार मांगा गया। इतने पैसे नहीं होने की वजह से वह आटो नहीं छुड़ा पा रहे हैं। वहीं, राहत के लिए लगातार परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। इससे पहले आटो की पार्किंग का शुल्क भरने के लिए उत्तम नगर निवासी रीमा अपने गहने तक बेच चुकी हैं। वाहन जब्त होने पर प्रतिदिन 400 रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक पार्किंग शुल्क देना होता है। परिवहन मंत्री से लगाई गुहार आटो परिवार संस्था के अध्यक्ष इंद्रजीत सचदेवा ने इस मामले को परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत तक पहुंचाया है। उन्होंने परिवहन मंत्री से मांग की है कि वाहनों को जब्त कर ली जा रही भारी भरकम फीस पर तुरंत रोक लगाई जाए। इसके साथ ही जो आटो व टैक्सी जब्त की गई हैं, उन्हें छोड़ा जाए। गरीब आटो व टैक्सी चालकों के लिए इतनी मोटी रकम भर पाना मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग के अधिकारी नियमों की आड़ में आटो-टैक्सी वालों का उत्पीड़न कर रहे हैं। आत्महत्या के सिवा कोई रास्ता नहीं। मुर्तजा का कहना है कि अगर ये जुर्माना वापस नहीं लिया गया तो उनके पास आत्महत्या करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा आटो नहीं होने से परिवार का पेट पालना भी मुश्किल हो रहा है।

सुपर स्प्रेड जोन चांदनी चौक में खुलेआम कोरोना नियमों का उल्लंघन, न मास्क न सोशल डिस्टेंसिंग

नई दिल्ली। देश इस समय कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा है. वहीं राजधानी दिल्ली से रिकॉर्ड मामले लगातार सामने आ रहे हैं. बीते 24 घंटों में 1904 मामले सामने आए हैं. बढ़ते ग्राफ को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बाज़ार, मेट्रो, रेलवे स्टेशन सहित धार्मिक स्थलों को सुपर स्प्रेड एरिया घोषित किया है. सभी DM को आदेश दिया है कि वो लोगों से यहां पर सख्ती से नियम का पालन कराएं. चांदनी चौक बाजार भी सुपर स्प्रेड एरिया में आता है. लेकिन यहां की तस्वीरें ये साफ कहती हैं कि आखिर क्यों दिल्ली में ग्राफ बढ़ रहा है. भारी संख्या में लोगों की भीड़ बाज़ार में नज़र आई, जो न तो मास्क लगाए हुई थी और न सोशल डिस्टेंस का पालन कर रही थी. जैसा कि आदेश दिया गया है कि दुकानदार पीले और लाल घेरे 1 मीटर की दूरी पर बनाए. बिना मास्क ग्राहक को सामान न दें. लेकिन यहां न तो किसी दुकान के बाहर घेरा बनाया गया है और बिना मास्क के भी लोगों को सामान दिया जा रहा है. राजधानी दिल्ली में लगातार कोरोना के मामलों में इज़ाफा देखने को मिल रहा है. बीते 24 घंटों में 1904 मामले सामने आए हैं. पॉजिटिविटी रेट 2.77% पहुंच गया है. वहीं 6 लोगों की वायरस से मौत हुई है. लगातार बढ़ रहे मामलों की वजह से दिल्ली में कंटेनमेंट ज़ोन की संख्या भी बढ़कर 1849 हो गई है. वहीं आपको बता दें की लगभग साढ़े तीन महीने बाद बाद सर्वाधिक मामले सामने आए हैं. इससे पहले 13 दिसंबर को 1984 मामले सामने आए थे. दिल्ली में लगातार बिगड़ रही स्थिति के चलते चलते एक बार फिर से राजधानी के कोविड डेडीकेटेड हॉस्पिटल एक्शन में हैं. दिल्ली के एलएनजेपी हॉस्पिटल के बाहर एक बार फिर से एंबुलेंस की संख्या में इजाफा किया गया है. वहीं लोग अभी भी नियमों का उलंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं. हॉस्पिटल के बाहर बोर्ड लगा है कि कोरोना से बचने के लिए नियमों का पालन करें. लेकिन यहां भी लोग बिना मास्क और और सोशल डिस्टेंस के नियम का उलंघन करते हुए दिखाई दिए.

कॉल सेंटर में डकैती करने वाले तीन इंजीनियर दोस्त समेत 6 गिरफ्तार, खुद को बताते थे क्राइम ब्रांच की टीम; ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। बीते 15 मार्च को राजधानी के घिटोरनी गांव स्थित कॉल सेंटर में डकैती करने वाले गैंग के सभी छह बदमाशों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.गिरफ्तार किए गए आरोपियों में तीन पेशे से इंजीनियर हैं. वसंतकुंज साउथ थाना पुलिस ने आरोपी सौरभ, रघुविन्द्र, मंजीत कुमार, समित कुमार, संजय कुमार और मुदस्सिर नज़ीर तीन इंजीनियर दोस्त समेत कुल लोगों को दबोचा है. आरोपियों से पुलिस ने तीन लैपटॉप, तीन महंगी घड़ियां, एक आईपैड, एक कैमरा बरामद किया है. पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे डकैती डालने के अलावा खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर छापेमारी के नाम पर ठगी की वारदात भी करते थे. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 15 मार्च की रात को घिटोरनी गांव में कॉल सेंटर में डकैती की घटना हुई. कॉल सेंटर के मालिक सुशांत राज ने वसंतकुंज साउथ थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चार लोग 15 मार्च की रात को एक गाड़ी से कॉल सेंटर के गेट पर पहुंचे. आरोपियों ने बंद गेट को तोड़ दिया और कॉल सेंटर के अंदर घुस. आरोपियों ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी की पिटाई कर उसे बंधक बनाया. इसके बाद आरोपियों ने कॉल सेंटर का दूसरा गेट तोड़ा और वहां से सामान लूटा. इस दौरान कॉल सेंटर के मालिक सुशांत की नींद खुली तो आरोपियों ने उन्हें खुद को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया और कॉल सेंटर में छापा पड़ने की बात बताई. इसके बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई.

ऐसे पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाश- पुलिस की जांच टीम ने बताया कि वे मौके-ए-वारदात पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, सर्विलांस और मुखबिरों से जानकारी जुटाई, लेकिन, सफलता नहीं मिली. पुलिस ने एक बार फिर कॉल सेंटर के सुरक्षाकर्मी और मालिक सुशांत से दोबारा पूछताछ की तो पता चला कि लॉकडाउन के बाद से ही कॉल सेंटर बंद है. मालिक सुशांत ने पुलिस को बताया कि वह एक दिन लोगों के इंटरव्यू लेने के लिए नोएडा स्थित दफ्तर गए थे. जिन लोगों के इंटरव्यू लिए गए थे पुलिस ने उनसे संपर्क किया और पूछताछ की. जांच में पता चला कि उनमें से एक शख्स समित कुमार का मोबाइल नंबर वारदात वाली रात को घटनास्थल वाली जगह पर एक्टिव मिला. पुलिस ने समित कुमार को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ. बाद में पुलिस ने सभी को दबोच लिया. आरोपियों में शामिल मुदासिर नज़ीर, समित कुमार और मंजीत कुमार इंजीनियर हैं. जबकि सौरभ दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट है. रघुविन्द्र भी ग्रेजुएट है. आरोपी संजय 12वीं पास है और एक म्यूजिक ग्रुप के लिए गिटार बजाता है. पुलिस आरोपियों से पूछताछ में दिल्ली एनसीआर में हुई अन्य डकैती की घटनाओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है.

नोएडा-दिल्ली ट्रैफिक जाम का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, केंद्र और दिल्ली पुलिस को जारी किया गया नोटिस

नई दिल्ली। नोएडा से दिल्ली आते समय लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम का मामला देश की सबसे बड़ी अदालत में पहुंच गया है. 26 मार्च को जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मामले पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी किया था, जिसमें रास्ते में आने वाले अवरोधकों को दूर करने और यह सुनिश्चित करने कि लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में सड़क पर रुकावटें ना आएं, का निर्देश दिया गया था. दरअसल, मार्केटिंग के पेशे से जुड़ी और नोएडा की रहने वाली एक महिला मोनिका अग्रवाल ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर मामले पर केंद्र और दिल्ली पुलिस को निर्देश करने की मांग की थी. मोनिका ने रिट पिटीशन दाखिल कर कहा है कि वह सिंगल पेरेंट है और अक्सर मार्केटिंग के काम और स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उन्हें दिल्ली जाना पड़ता है

जीएनसीटीडी बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद, अब कानूनी विकल्प की तलाश में आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2021 को मंजूरी दे दी है और अब आम आदमी पार्टी सरकार पूरे मामले में लीगल ऑप्शन तलाश रही है. दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार लीगल ऑप्शन को लेकर बात कर रही है. गोपाल राय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को संसद में संशोधित बिल लाकर पलटा गया है. सुप्रीम कोर्ट का ही एक रास्ता बचा हुआ है. अब सरकारी कानूनी सलाह के बाद ही आगे बढ़ेगी.

बता दें कि राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2021 कानून बन गया है. कानून बनने के साथ ही अब दिल्ली में सरकार का मतलब उपराज्यपाल है. हालांकि, दिल्ली सरकार लगातार इस कानून को सरकार की बजाय उपराज्यपाल को यादा ताकत देने वाला बता रही है. ये विधेयक 24 मार्च को रायसभा में, उससे पहले 22 मार्च को लोकसभा में पारित हो गया था.

इसके मुताबिक, दिल्ली विधानसभा में पारित विधान के परिप्रेक्ष्य में सरकार का आशय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल से होगा और शहर की सरकार को किसी भी कार्यकारी कदम से पहले उपराज्यपाल की सलाह लेनी होगी. इस विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों के मुताबिक, विधेयक में दिल्ली विधानसभा में पारित विधान के परिप्रेक्ष्य में सरकार का आशय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल से होगा. इसमे दिल्ली की स्थिति संघराय क्षेत्र की होगी, जिससे विधायी उपबंधों के निर्वाचन में अस्पष्टताओं पर ध्यान दिया जा सके. इस संबंध में धारा 21 में एक उपधारा जोड़ी जाएगी.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बिल पर नाराजगी दिखा चुके हैं. उन्होंने इस फैसले को दिल्ली की जनता का अपमान बताया था.

बिल के पास होने पर कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियों ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला. वहीं, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करते हुए कहा था कि आज लोकतंत्र के लिए एक काला दिन है. दिल्ली की जनता द्वारा चुनी गई सरकार के अधिकारों को छीन लिया गया और एलजी को सौंप दिया गया. विडंबना देखिए, संसद का इस्तेमाल लोकतंत्र की हत्या के लिए किया गया, जिसे हमारे लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है. दिल्ली के लोग इस तानाशाही के खिलाफ लड़ेंगे.

कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक का विरोध किया. उन्होंने कहा कि ये सबसे असंवैधानिक विधेयक है. उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा को भी इसका विरोध करने में शामिल होना चाहिए. कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर इसे लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि बीजेपी उपराज्यपाल के जरिए दिल्ली में सरकार चलाना चाहती है.फिर निर्वाचित सरकार की क्या आवश्यकता है. वहीं, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि इस संशोधन का मकसद मूल विधेयक में जो अस्पष्टता है उसे दूर करना है, ताकि इसे लेकर विभिन्न अदालतों में कानून को चुनौती नहीं दी जा सके. उन्होंने उचतम न्यायालय के 2018 के एक आदेश का हवाला भी दिया था, जिसमें कहा गया है कि उपराज्यपाल को सभी निर्णयों, प्रस्तावों और एजेंडा की जानकारी देनी होगी.

यदि उपराज्यपाल और मंत्रिपरिषद के बीच किसी मामले पर विचारों में भिन्नता है तो उपराज्यपाल उस मामले को राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं. रेड्डी ने कहा था कि इस विधेयक को किसी राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं लाया गया है और इसे पूरी तरह से तकनीकी आधार पर लाया गया है.

उच्च शिक्षा आयोग के संबंध में डीयू ने मांगे सुझाव, डूटा ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा आयोग के गठन का प्रस्ताव है। दिल्ली विश्वविद्यालय आयोग के गठन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने डीयू को विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। जिस पर अमल करते हुए डीयू प्रशासन ने शिक्षकों से सुझाव मांगे थे। दिल्ली विवि शिक्षक संघ (डूटा) ने सुझाव देने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलने पर आपत्ति जताई है।

डूटा अध्यक्ष राजिब रे ने कार्यवाहक कुलपति को पत्र लिखकर शिक्षकों को और अधिक समय दिए जाने की मांग की है। पत्र में लिखा है कि कार्यवाहक कुलपति कार्यालय ने 23 मार्च को प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों को सुझाव की बाबत कहा था। दो दिन बाद शिक्षकों को इसकी सूचना दी गई। इस समय कॉलेज, विभाग ओपन बुक परीक्षा में व्यस्त है। होली की भी छुट्टियां पड़ी। चूंकि उच्च शिक्षा आयोग से शिक्षा व्यवस्था में काफी अहम बदलाव होंगे। इसलिए जरूरी है कि शिक्षकों को सुझाव देने के लिए समय मिले। डूटा अध्यक्ष राजिब रे ने कहा कि 2018 में इसी तरह की एक और कोशिश की गई थी। लेकिन तब शिक्षकों के देशव्यापी विरोध के चलते सरकार को आयोग गठन से कदम वापस खींचने पड़े थे।

गौरतलब है कि डीयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो पीसी जोशी ने सभी कॉलेजों, विभागों को लिखे पत्र में कहा था कि डीयू से बड़ी संख्या में कालेज जुड़े हैं। फैकल्टी की संख्या भी अधिक है। आयोग के गठन में डीयू का अनुभव काम आ सकता है। यही सोचकर केंद्रीय मंत्रालय ने डीयू से सुझाव मांगा है। पत्र में कालेजों, विभागों से गुजारिश की गई थी कि वो ऑनलाइन, ऑफलाइन बैठक आयोजित करें।

बुधवार को खत्म होगी पानी के बिल पर मिलने वाली छूट, जल्दी करें आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार की पानी के बिल पर मिलने वाली छूट की योजना 31 मार्च को समाप्त हो रही है। दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के चेयरमैन सतेंद्र जैन ने दिल्लीवासियों को नए साल पर यह राहत प्रदान करने का निर्णय लिया गया था, जो बुधवार को समाप्त हो रही है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली सरकार के इस निर्णय से लाखों उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा। इससे पहले, दिल्ली जल बोर्ड ने पानी के बिल पर मिलने वाली छूट की योजना को 31 दिसंबर 2020 तक के लिए बढ़ाया था, इसे फिर बढ़ाकर 31 मार्च तक कर दिया गया।

दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के चेयरमैन सतेंद्र जैन के मुताबिक, दिल्ली के निवासी कोरोना माहमारी के चलते इस समय बेहद ही चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं, ऐसे में इस स्कीम को कई बार बढ़ाया गया। जल मंत्री सतेंद्र जैन के मुताबिक, अब तक 5 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ उठाया है और दिल्ली जल बोर्ड को राजस्व के रूप में 600 करोड़ रुपये की आय हुई है। डीजेबी को मिले 632 करोड़ में से 400 करोड़ से अधिक 4.45 लाख घरेलू उपभोक्ताओं ने जमा कराए हैं और 7836 वाणिज्यिक उपभोक्ताओं द्वारा अब तक 232 करोड़ से अधिक जमा किए जा चुके हैं।

आवेदन कर्ता अपने आवेदन को ऑफिस में लगे मीटर इंस्टॉलेशन इंटिमेशन बॉक्स में भी डाल सकते हैं। वैसे उपभोक्ता, जिनके पास एक्टिव मीटर नहीं है, वो अपनी पसंद का मीटर दिल्ली जल बोर्ड की वेबसाइट www-delhijalboard-nic-in पर मौजूद डीलर्स से लगवा सकते हैं। यह चौथा मौका है, जब दिल्ली जल बोर्ड ने उपभोक्ताओं को इस छूट का फायदा उठाने के लिए मौका दिया है, ताकि वो दिल्ली जल बोर्ड के वैध उपभोक्ता बन सकें।

इस योजना से उन सभी उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा, जिनके बिल 31 मार्च 2019 तक बकाया हैं। इस योजना के तहत सभी घरेलू और कमर्शियल ग्राहकों को लेट पेमेंट सरचार्ज पर 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वहीं, बिल की मूल राशि पर दी जा रही छूट हाउस टैक्स के लिए म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की बनाई गई कॉलोनी की श्रेणी पर निर्भर करेगा।

ई, एफ, जी, और एच श्रेणी में आने वाले उपभोक्ताओं को 31 मार्च 2019 तक के बकाया बिल की मूल राशि में पूरी छूट दी जाएगी। डी श्रेणी में आने वाले उपभोक्ताओं को 75 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जो उपभोक्ता सी श्रेणी में आते हैं, उन्हें 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जबकि ए और बी श्रेणी के लोगों को पानी के बिल में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। जबकि एलपीएससी हर श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए 31 मार्च 2021 तक पूरी तरह से माफ रहेगा।

पार्क में मिला दिल्ली के भाजपा नेता जीएस बावा का शव, आत्महत्या का शक

नई दिल्ली। दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के लिए बुरी खबर आ रही है। यहां पर भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने घर के नजदीक बने पार्क में जाकर आत्महत्या कर ली। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के मुताबिक, पश्चिमी जिला भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष जीएस बावा ने सोमवार शाम सुभाष नगर के झील वाले में पार्क में ग्रिल से लटक कर आत्महत्या की। इसका पता लोगों को तब चला, जब वे पार्क में टहल रहे थे।

58 साल के भाजपा नेता जीएस बावा पश्चिमी दिल्ली के फतेह नगर में रहते थे। होली के दिन सोमवार शाम 6 बजे के वक्त पार्क में घूम रहे लोगों ने दिल्ली पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। लोगों ने पुलिस को फोन कर बताया कि पार्क में ग्रिल से किसी शख्स का शव लटक रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की तो मृतक की पहचान भाजपा नेता जीएस बावा के रूप में हुई। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नही मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

वहीं, भाजपा नेता की मौत पर दिल्ली के नेताओं ने अफसोस जताया है। बता दें कि पिछले दिनों दिल्ली के गोमती अपार्टमेंट में हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद राम स्वरूप शर्मा का शव संदिग्ध हालात में उनके फ्लैट में मिला था। रामस्वरूप शर्मा भाजपा के वरिष्ठ नेता थे और वह 2019 में हिमाचल प्रदेश में मंडी से लोकसभा सांसद चुने गए थे। राम स्वरूप शर्मा के निधन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया है। पीएम ने ट्वीट में लिखा- राम स्वरूप शर्मा एक समर्पित राजनेता थे, जिन्होंने हमेशा लोगों की समस्याओं के सामाधान के लिए काम किया। उन्होंने बिना रुके समाज की बेहतरी के प्रयास किए। मुझे उनके आकस्मात और दुर्भाग्यपूर्ण निधन से कष्ट हुआ है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके समर्थकों और परिवार के साथ हैं। ओम शांति। केंद्र सरकार में मंत्री और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर इलाके के सांसद अनुराग ठाकुर शर्मा और राम स्वरूप शर्मा एक दूसरे के पारिवारिक मित्र रहे थे और राम स्वरूप शर्मा लंबे समय तक अनुराग के पिता प्रेम कुमार धूमल के साथ काम कर चुके थे। वहीं, दिल्ली पुलिस के अफसरों के मुताबिक, प्रथम दृष्ट्या शर्मा ने आत्महत्या की है और उनका शव घर में फंदे से लटकता हुआ मिला है। फिलहाल इस मामले में भी जांच की जा रही है।

दिल्ली के होलंबी कला में युवक की बेरहमी से हत्या, परिजनों ने रोड पर लगाया जाम

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली में होली की शाम होलंबी कला में बदमाशों ने एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इस बाबत नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। वारदात के पीछे आपसी रंजिश को कारण बताया जा रहा है। पुलिस ने दो -तीन लोगों को हिरासत में भी लिया है। वहीं घटना से गुस्साये मृतक के स्वजन व इलाके के लोगों ने होलंबी रेलवे फाटक पर जाम लगा दिया है। लोग अभी भी वहां मौजूद हैं। जाम की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस अधिकारी भी पहुंच गए हैं और लोगों को कार्रवाई करने का भरोसा देकर जाम हटवाने का प्रयास कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, 23 वर्षीय बंटी परिवार के साथ होलंबी कलां मेट्रो विहार फेज दो स्थित ए- ब्लाक में रहते थे। वह कनाट प्लेस स्थित एक रेस्तरां में साफ सफाई का काम करते थे। उनके भाई राहुल के अनुसार सोमवार की शाम सवा छह बजे बंटी घर से कुछ दूर पानी भरने के लिए गए थे। वापस लौटते समय कुछ युवकों ने उनके साथ मारपीट की। बंटी ने घर आकर यह जानकारी दी गई और दोबारा वापस चले गए।

इसके बाद वह (राहुल) भी पीछे पीछे गए तो देखा कि ए ब्लाक की गली में मेट्रो विहार के सल्लूउद्दीन, क्यूमउद्दीन, अमित मौजूद थे और उनके भाई बंटी को पीट रहे थे। इसी दौरान सल्लूउद्दीन ने बंटी को पकड़ लिया और क्यमुद्दीन ने उन्हें चाकू घोंप दी। जिससे बंटी गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देकर सभी हमलावर मौके से भाग गए। इसके बाद राहुल ने घायल बंटी को आटो से पूंठखुर्द स्थित नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

जहां इलाज के दौरान बंटी की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहले हत्या के प्रयास धारा में एफआइआर दर्ज की थी। लेकिन अब मौत के बाद एफआइआर में हत्या की धारा भी जोड़ दी जाएगी। बहरहाल, पुलिस शव का पोस्टमार्टम रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में करवा रही है।

दिल्ली: कोरोना के बढ़ते केसों के चलते कुछ बड़े निजी अस्पतालों में आईसीयू-वेंटिलेटर बेड्स की हुई कमी

नई दिल्ली। दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के चलते कुछ बड़े प्राइवेट अस्पतालों में ढ्ढष्ट और वेंटिलेटर बेड्स की किल्लत हो गई है. इस स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने कहा है दिल्ली में बेड की उपलब्धता की समीक्षा की जाएगी और बेड्स का इंतज़ाम किया जाएगा. दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में बहुत सारे आईसीयू और वेंटिलेटर खाली हैं. प्राइवेट में भी दो या तीन अस्पतालों में कमी हुई है, उसमें भी आज इंतज़ाम कर दिया जाएगा. स?वास?थ?य मंत्री जैन ने कहा कि दिल्ली में प्राइवेट अस्पतालों में जो आईसीयू और वेंटिलेटर बेड की कमी देखने को मिल रही है वह दिल्ली में बढ़ते मामलों की वजह से भी है और अन्य रायों से भी आ रहे लोगों की वजह से भी है.

गौरतलब है कि दिल्ली में मार्च महीने में कोरोना के मामले फरवरी के मुकाबले 5 गुना बढ़ चुके हैं. फरवरी में दिल्ली में कुल 4 हजार 193 संक्रमण के मामले रिपोर्ट हुए थे जबकि मार्च महीने में अब तक 20 हजार 330 संक्रमण के मामले रिपोर्ट हो चुके हैं. हालांकि यह भी बताना जरूरी है कि फरवरी महीने में रोजाना औसत टेस्ट 58 हज़ार से ऊपर थे, वहीं मार्च महीने में रोज़ाना औसत टेस्ट 72 हज़ार के करीब हुए. इतनी बड़ी संख्या में अचानक संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी होने के चलते दिल्ली के कुछ प्राइवेट अस्पतालों में आईसीयू और वेंटीलेटर की कमी होते दिखना शुरू हो गई है. दिल्ली सरकार की ऐप, दिल्ली कोरोना ऐप में मंगलवार सुबह 11 बजे के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में वैसे तो कोरोना मरीज़ों के लिए कुल 5797 बेड्स हैं जिसमें से अभी केवल 1604 पर मरीज़ हैं, जबकि 4193 बेड्स खाली हैं. लेकिन कुछ बड़े प्राइवेट अस्पतालों में आईसीयू और वेंटीलेटर की किल्लत दिखनी शुरू हो गई है.

वेंटीलेटर युक्त आईसीयू बेड्स की स्थिति

1. सर गंगा राम हॉस्पिटल- कुल बेड्स- 42, खाली- 10, 2. होली फैमिली हॉस्पिटल, ओखला- कुल बेड्स-8 , खाली- 3, 3. फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग- कुल बेड्स- 5 , खाली- 0 , 4. मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग- कुल बेड्स- 5 , खाली- 0

5. वेंकटेश्वर हॉस्पिटल, द्वारका- कुल बेड्स- 5 , खाली- 0 , इसके अलावा केंद्र सरकार के नॉर्दन रेलवे हॉस्पिटल में 10 वेंटिलेटर आईसीयू बेड है लेकिन सभी भरे हुए हैं. हालांकि बड़ी तस्वीर ये है कि दिल्ली में सरकारी और प्राइवेट मिलाकर कुल 785 वेंटिलेटर युक्त आईसीयू बेड हैं जिसमें से 255 पर मरीज़ हैं, 530 बेड्स खाली हैं.

बिना वेंटीलेटर वाले आईसीयू बेड की स्थिति

1. इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल- कुल बेड्स- 24 , खाली- 0, 2. श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट- कुल बेड्स- 21 , खाली- 0, 3. महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल पंजाबी बाग- कुल बेड्स- 18 , खाली- 0

4. मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग- कुल बेड्स- 17, खाली- 0

5. जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल, रोहिणी- कुल बेड्स- 16, खाली-0

6. वेंकटेश्वर हॉस्पिटल, द्वारका - कुल बेड्स- 15 , खाली- 0, 7. फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला- कुल बेड्स-12 , खाली- 0, 8. फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग- कुल बेड्स-12 , खाली- 0 ,9. सर गंगा राम हॉस्पिटल- कुल बेड्स-9 , खाली- 0

10. फोर्टिस हॉस्पिटल, वसंत कुंज- कुल बेड्स- 8, खाली- 0

30 साल बाद दिल्ली की महिला ने खोला मुंह, सर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टरों ने किया चमत्कार

नई दिल्ली। पिछले 30 साल से जुबां होते हुए भी बेजुबान रही एक महिला मरीज ने 30 साल बाद मुंह खोला है। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग में इलाज के लिए डेढ़ महीने पहले ही भर्ती कराई गई आस्था मोंगिया के साथ चमत्कार हुआ है। जहां कई देशों के अस्पतालों ने आस्था मोंगिया का इलाज करने से ही इनकार कर दिया था, वहीं सर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टरों ने सफल ऑपरेशन कर आस्था मोंगिया को जुबान दी है। बता दें कि आस्था मोंगिया दिल्ली के पंजाब नेशनल बैंक में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं और पिछले 30 साल से मुंह से एक शब्द भी नहीं बोल पाई थीं, लेकिन अब वह ठीक हो गई हैं।

सर गंगाराम अस्पताल के मुताबिक, आस्था मोंगिया जन्मजात विकार से पीड़ित थीं। उनके जबड़े की हड्डी मुंह के दोनों तरफ से खोपड़ी की हड्डी से जुड़ गई थी। इसके चलते आस्था मोंगिया अपना मुंह तक नहीं खोल पाती थीं, बोलना तो दूर की बात है। यहां तक कि वह अपनी अंगुली से अपनी जीभ तक को भी नहीं छू पाती थीं।

वह पिछले 30 साल से सिर्फ तरल पदार्थ पर जिंदा थी। मुंह नहीं खुलने के चलते दांतों में इंफेक्शन के कारण उनके कुछ ही दांत रह गए थे। यहां तककि एक आंख से देख भी नहीं सकती हैं। सबसे बड़ी दिक्कत यह थी कि उनका पूरा चेहरा ट्यूमर की खून भरी नसों से भरा हुआ था। इसकी वजह से कोई भी अस्पताल सर्जरी के लिए तैयार नहीं था। परिवार देश के अलावा ब्रिटेन और दुबई के बड़े अस्पतालों में भी गया, लेकिन सभी जगह से मना कर दिया गया।

डॉ. राजीव आहूजा (सीनियर प्लास्टिक सर्जन, डिपार्टमेंट ऑफ़ प्लास्टिक एंड कॉस्मेटिक सर्जरी, सर गंगा राम अस्पताल) के अनुसार, जब हमने मरीज आस्था मोंगिया को देखा तो परिवार को बताया कि सर्जरी बहुत ही जटिल है। ऑपरेशन के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव से ऑपरेशन टेबल पर आस्था की मौत भी हो सकती है।

बावजूद इसके परिवार के हामी भरने पर हमने प्लास्टिक सर्जरी, वैस्कुलर सर्जरी एवं रेडियोलॉजी विभाग की टीम बुलाई और विचार विमर्श करने के बाद इस जटिल सर्जरी को अंजाम देने का फैसला किया।

इस जटिल सर्जरी के लिए टीम का नेतृत्व डॉ. राजीव आहूजा द्वारा किया गया था और इसमें डॉ. रमन शर्मा और डॉ. इतिश्री गुप्ता (प्लास्टिक सर्जरी), डॉ. अंबरीश सात्विक (वैस्कुलर एंड एंडोवस्कुलर सर्जरी) और डॉ. जयश्री सूद और डॉ. अमिताभ (एनेस्थीसिया टीम) का सहयोग रहा। वहीं, ऑपरेशन से 3 हफ्ते पहले मरीज़ के चेहरे पर एक खास इंजेक्शन (स्क्लेरोसैंट) लगाया गया, जिससे खून से भरी नसें थोड़ी बहुत सिकुड़ जाती हैं।

ऐसे हुआ आस्था का ऑपरेशन

20 मार्च 2021 को मरीज आस्था को ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। सबसे पहले धीरे-धीरे ट्यूमर की नसों को बचाते हुए डॉक्टर मुंह के दाहिने हिस्से में पहुंचे जहां जबड़ा खोपड़ी से जुड़ गया था। फिर उसको काटकर अलग कर दिया गया। इसी तरह से बायें हिस्से में भी जुड़े हुए जबड़े को अलग किया।

यहां जरा सी गलती से अगर ट्यूमर की नस कट जाती तो मरीज़ की ऑपरेशन थिएटर में ही मौत हो सकती थी। पूरी तरह से सफल ऑपरेशन में 3 घंटे 30 मिनट का समय लगा। ऑपरेशन टेबल पर ही मरीज़ का मुंह 2 घंटे 30 मिनट सेंटीमीटर खुल चुका था। फिर 25 मार्च 2021 को आस्था की जब अस्पताल से छुट्टी की गई तो उसका मुंह 3 सेंटीमीटर खुल चुका था। एक सामान्य व्यक्ति का मुंह 4 से 6 सेंटीमीटर खुलता है।

डॉ. राजीव आहूजा ने बताया कि अभी मुंह की फिजियोथेरेपी एवं व्यायाम से उसका मुंह और ज्यादा खुलेगा। वहीं, हेमंत पुष्कर मोंगिया (मरीज के पिता) के अनुसार, मेरी बेटी ने पिछले 30 वर्षों में बहुत कष्ट झेला है, उसका मुंह इतना भी नहीं खुलता था कि वह अपनी जीभ को हाथ से छू भी नहीं सकती। अब सफल सर्जरी के बाद वह न केवल अपना मुंह खोल सकती है, बल्कि अपनी जीभ को भी छू सकती है। वह अब सामान्य तरीके से बातचीत कर सकती है। वहीं, 30 साल बाद अपना मुंह खोलते हुए आस्था मोंगिया ने कहा कि इस दूसरे जन्म के लिए मैं भगवान और डॉक्टरों का धन्यवाद करती हूं।

संपादकीय

जब अमेरिका ने सबको डरा दिया

अमेरिका में चुनावी साल (राष्ट्रपति चुनाव) के किसी भी अन्य महीने की तरह मार्च, 2020 की शुरुआत हुई थी। यादातर अमेरिकी इस महीने की अपनी दो पसंदीदा गतिविधियों में मग्न थे। पहली, 3 मार्च के 'सुपर ट्यूजडे' (इस मंगलवार को यहां के यादातर राय अपनी प्राइमरी का चुनाव करते हैं) पर नजर बनाए रखना और दूसरी, कॉलेज बास्केट बॉल के मौजूदा सीजन के आखिरी मैचों का लुत्फ उठाना। भले ही इटली और स्पेन से कोविड-19 के कारण हो रही मौतें रोजाना खबरों में आ रही थीं, लेकिन यहां इस महामारी को आम जनमानस कोई खतरा नहीं मान रहा था। मगर जल्द ही हालात बदल गए। कोरोना वायरस के तेज प्रसार को देखते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 13 मार्च को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की। फिर भी, इस मुल्क की क्या दशा हुई, इसे देश-दुनिया ने देखा। अगले 12 महीनों में अमेरिका लगभग तबाह हो गया। कोविड-19 ने 5.5 लाख से अधिक अमेरिकियों का जीवन छीन लिया और इसकी कुल आबादी का दसवां हिस्सा अब तक संक्रमित हो चुका है। इसने काफी आर्थिक चोट भी पहुंचाई। जब कोरोना चरम पर था, तब कुछ ही हफ्तों में लाखों अमेरिकियों ने अपनी नौकरी गंवाई और बेरोजगारी दर लगभग 15 फीसदी पर पहुंच गई। 'प्यू रिसर्च सेंटर' के मुताबिक, एक तिहाई वयस्क अमेरिकियों को पिछले साल बिल भुगतान में दिक्कतें आईं। कोरोना की वजह से अमेरिका का यह पतन पूरी दुनिया को प्रभावित कर गया, क्योंकि यह राष्ट्र वैश्विक अर्थव्यवस्था का अगुवा है। उत्तरी अमेरिका में तो उत्पादों के आयात-निर्यात का कारोबार 2019 की तुलना में 20 फीसदी से अधिक घट गया। अब कोविड-19 की पहली बरसी के बाद समाज वैज्ञानिक, डॉक्टर और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि अपनी स्वास्थ्य सेवाओं पर दुनिया भर में सबसे अधिक खर्च करने वाला अमेरिका आखिर कोरोना से इस कदर कैसे बर्बाद हो गया, जबकि इससे कम विकसित देश महामारी से बहुत यादा प्रभावित नहीं हुए? और क्या इसका इस तथ्य से वाकई कोई संबंध है कि विकासशील देशों में लोग साफ-सफाई को लेकर कुछ कम संजीदा रहते हैं, जिसके कारण कोविड-19 के खिलाफ उन्होंने प्रतिरोधक क्षमता तैयार कर ली थी? इन सवालों के ठीक-ठीक जवाब तो हमें शायद वर्षों बाद मिलें, लेकिन जो हम आज जानते हैं, वह यही है कि उच्चतम स्तर पर नेतृत्व की विफलता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे की दशकों से उपेक्षा अमेरिका पर भारी पड़ गई। यादा संभावना तो इसी बात की है कि अगर 'ओवल ऑफिस' (राष्ट्रपति कार्यालय) में डोनाल्ड ट्रंप के अलावा कोई दूसरा शख्स होता, तो संभवतः महामारी का यूं प्रसार न होता। जब संक्रमण बढ़ना शुरू हुआ था, तब ट्रंप दोबारा चुनाव लड़ने की तैयारियों में व्यस्त थे, जबकि 2020 की शुरुआत में ही जैसे-तैसे वह महाभियोग से बच पाए थे। वह उस अर्थव्यवस्था के आधार पर जनादेश हासिल करना चाहते थे, जिसे साल 2018 में बड़े पैमाने पर की गई कर कटौती के रूप में वह 'स्टेरॉयड' दे चुके थे। कर छूट से कुछ हद तक अमेरिकियों को जरूर लाभ मिला था, लेकिन इसका फायदा असमान रूप से अमीरों ने उठाया। यहां तक कि पश्चिमी यूरोप में कोरोना के कहर को देखने के बावजूद ट्रंप ने इसको कमतर आंका और दोबारा चयन की अपनी राह का इसे रोड़ा मानते रहे। महामारी के खिलाफ ओबामा-काल की सुरक्षा रणनीतियों को बेमानी साबित करने के लिए भी ट्रंप प्रशासन ने कोरोना के प्रबंधन को लेकर उदासीन रुख अपनाया। अमेरिका की तबाही का दूसरा कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का कमजोर होना है। दशकों से सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर प्रगति और लगातार बढ़ती जीवन प्रत्याशा से अमेरिकियों को यह विश्वास हो चला था कि महामारियां अब अतीत की बातें हो गई हैं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं के बंटवारे में भारी असमानताएं हैं, जो नस्ल व आय से बुरी तरह गुंथी हुई हैं। आलम यह है कि अल्पसंख्यक व गरीब अमेरिकी आज भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से दूर हैं। इसी कारण कोविड-19 ने इन वर्गों को यादा प्रभावित किया। 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन' ने बताया है कि असमानता, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, व्यवसाय, शिक्षा में अंतर, आमदनी और संपत्ति जैसे कारकों ने नस्लीय व जातीय अल्पसंख्यक समूहों के कोरोना से बीमार होने व मौत के खतरे को बढ़ाने में योगदान दिया। विडंबना यह है कि अमेरिका का चरित्र उग्र-व्यक्तिवाद और आला हुक्मरानों व केंद्रीय प्रतिष्ठानों की नाफरमानी के रूप में परिभाषित है। इसी कारण अमेरिकी समाज के एक बड़े वर्ग ने मास्क पहनने, शारीरिक दूरी का पालन करने और भीड़ से बचने जैसे एहतियाती उपायों को अपनाने से इनकार कर दिया। यहां तक कि फ्लोरिडा व टेक्सास जैसे रायों के गवर्नर अपने-अपने इलाकों में महामारी के प्रसार के बावजूद इसे अनदेखा करते रहे। हालांकि, इन सबके बीच कुछ अच्छी खबरें भी आईं। कोविड टीका बनाने में यह देश सबसे आगे रहा, और अब तक 20 फीसदी से भी अधिक अमेरिकियों को टीके की कम से कम एक खुराक तो मिल ही चुकी है। एक अन्य खुशखबरी यह है कि अमेरिका का नेतृत्व अब एक ऐसे राष्ट्रपति कर रहे हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेते हैं और महामारी के आर्थिक प्रभाव को भी बखूबी समझते हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका हर रोज टीके की औसतन 24 लाख खुराक लोगों को लगा रहा है। इसी तरह, आर्थिक मोर्चे पर बाइडन ने 19 खरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज जारी किए हैं। यह राशि सीधे तौर पर कामगारों, छोटे व्यापारियों और सामाजिक व आर्थिक रूप से वंचित अल्पसंख्यकों की जेब में जाने वाली है। बेशक आज भी बहुत काम होने शेष हैं, लेकिन अब एकजुटता से प्रयास हो रहे हैं, जो पिछले राष्ट्रपति के समय राष्ट्रीय स्तर पर नहीं दिखे थे। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज भी हालात अच्छे नहीं हैं, लेकिन अब उम्मीद नजर आने लगी है। महत्वपूर्ण यह भी है कि प्रशासन इस दिशा में खासा संवेदनशील है और इस महामारी से उबरने के लिए हरसंभव जरूरी कदम उठा रहा है। यह मौजूदा वक्त की सबसे जरूरी मांग थी।

प्रवीण कुमार सिंह

राष्ट्रीय समस्या बनता जा रहा सार्वजनिक स्थलों पर शोर, मानसिक सेहत के लिए भी खतरनाक

दिल्ली जैसे शहरों में शोर की मात्र कहीं यादा है, जहां ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम करने वाले कई कानून पिछले एक दशक से यादा समय से अस्तित्व में हैं। आवासीय इलाकों में ध्वनि की मात्र अधिकतम 55 डेसिबल, व्यापारिक इलकों में 65 डेसिबल और औद्योगिक क्षेत्रों में 75 डेसिबल होनी चाहिए, लेकिन हर जगह यह करीब 25 डेसिबल अधिक है। इस कारण कभी-कभी नौबत रोड रेज जैसी घटनाओं की भी आ जाती है। बहरहाल शांति का महत्व जानते हुए भी यह लापरवाही घातक है कि हम शोर को अपनी राष्ट्रीय पहचान बनने की छूट दे रहे हैं। ध्यान रखना होगा कि सिर्फ कानून ये हालात नहीं बदल सकते। लोगों की मानसिकता बदले बगैर शोर जैसी समस्या से निजात पाना नामुमकिन ही है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर उनके घर की तरफ नजदीकी मस्जिद से सुबह होने वाली अजान से नींद टूटने की समस्या का उल्लेख किया तो इस पर एक सकारात्मक जवाब मस्जिद की ओर से आया। प्रयागराज के कानपुर रोड स्थित लाल मस्जिद के मुतवल्ली रहमान ने कुलपति की परेशानी का समाधान करते हुए उनकी ओर के लाउडस्पीकर की दिशा बदल दी और आवाज भी 50 फीसद घटा दी। आम तौर पर ऐसे मामलों में अक्सर तीखी धार्मिक प्रतिक्रिया होती रही है और शोर को समस्या न मानकर उन मांगों को मजहबी रंग दिया जाता रहा है। यह अछा है कि इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ, लेकिन यह मामला अजान तक नहीं रुकना चाहिए। हर किस्म के धार्मिक जुलूसों के मामलों में भी यह होना चाहिए। शोर या कहें कि ध्वनि प्रदूषण हमारे देश में कितनी बड़ी समस्या है, इस पर हमारी नजर इसलिए नहीं जाती है, क्योंकि हममें से यादातर भारतीय इसके आदी हो चुके हैं। उन्हें यह स्वाभाविक लगता है। इसमें हर किस्म का शोर शामिल है। जैसे-सार्वजनिक जगहों पर तेज म्यूजिक बजाना, सड़कों पर वाहनों के हॉर्न बेवजह बजाना, अस्पतालों से लेकर लाइब्रेरी तक में लोगों को तेज आवाज में बातें करते देखना और कुछ न हो सके तो लाउडस्पीकर लगाकर तेज आवाज में धार्मिक आह्वान करना।

करीब चार साल पहले 2017 में बॉलीवुड के मशहूर गायक सोनू निगम ने भी कुछ ऐसी ही बातें अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखी थीं, लेकिन तब देखते ही देखते उन्हें तमाम धर्मगुरुओं ने उनके विवादित बयानों के लिए घेर लिया था। सोनू निगम ने लिखा था- मस्जिदों में रोज सुबह अजान के रूप में होने वाले शोर से हर रोज उनकी नींद खराब होती है। हालांकि उन्होंने यह भी साफ

किया था कि उन्हें मंदिरों और गुरुद्वारों में तेज आवाज में भक्ति गीत-संगीत बजाकर लोगों की सुबह की नींद खराब करने पर भी एतराज है।

धर्म के नाम पर किए जाने वाले हंगामे या शोर की ये तो बहुत छोटी-सी मिसालें हैं, लेकिन उल्लेखनीय है कि अब अक्सर हर धर्म-समुदाय से जुड़े धार्मिक जलसे-जुलूस में इतना आडंबर, हंगामा और शोर होता है कि उसकी कोई सीमा नहीं बची है। उस पर लगाम लगाने वाली हर कोशिश बेमानी ही साबित होती रही है। देखा जा रहा है कि पिछले कुछ वर्षो में विभिन्न धार्मिक आयोजनों पर डीजे और लाउडस्पीकरों से होने वाला शोर बहुत यादा बढ़ गया है। और मामला धार्मिक होने के कारण ऐसे शोर को प्रतिबंधित करने की कोशिश को सही नजरिये से नहीं देखा जाता है। ऐसे में यदि कोई कानूनी कार्रवाई होती है तो बात काफी यादा बिगड़ने के हालात पैदा हो जाते हैं।

देखा जाए तो इसकी असली वजह हमारी जड़ हो चुकी मानसिकता है, जो किसी भी आयोजन में लोगों को शोर मचाने के लिए प्रेरित करती है। लोग यह स्वीकार ही नहीं कर पाते हैं कि हंगामा मचाए बगैर शांतिपूर्ण ढंग से भी कोई आयोजन हो सकता है। कभी लोग त्योहारों के नाम पर शोर मचाने की छूट चाहते हैं तो कभी जलसा या रैली करने के नाम पर। विभिन्न त्योहारों और नववर्ष या बर्थ-डे आदि की पार्टियों में रात-रात भर लाउडस्पीकर अथवा दूसरे आधुनिक साउंड सिस्टम के जरिये शोर मचाया जाता है।

अक्सर यह कहकर ऐसे शोर को संरक्षण दिया जाता है कि खुशी के मौके पर इसकी छूट मिलनी ही चाहिए। इसके लिए लोग सारे नियमों-कायदों का सरेआम उल्लंघन करते हैं और गिरफ्तारी या जुर्माना सहना अपनी शान समझते हैं, पर ऐसा करते वक्त वे यह भूल जाते हैं कि यदि उन्हें अपने आयोजन में शोर मचाने की छूट है तो कुछ लोगों को शांति से अपने घर में रहने की आजादी भी इस देश के कानून ने दी है। कुछ साल पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी एक रिपोर्ट में बता चुका है कि शहरों में सुरक्षित शोर का स्तर 45 डेसिबल है। रिपोर्ट में यह उल्लेख भी किया गया था कि भारत के शहरों में यह स्तर औसतन 90 डेसिबल से यादा है। मुंबई को तो एक दफा दुनिया का तीसरा सबसे अधिक ध्वनि प्रदूषण वाला शहर बताया गया था और इसके ठीक बाद दिल्ली का नंबर था। अन्य महानगरों और छोटे शहरों में भी यह शोर कम नहीं है। इंसान की बनाई मशीनें, मोटर वाहन, ट्रेनें, हवाई जहाज और निर्माण कार्यो में विस्फोटकों के इस्तेमाल से असहनीय ध्वनियां वातावरण में फैल रही हैं। उन्हें रोकने को लेकर कोई उपाय कारगर साबित नहीं हो रहा है। शोर को समस्या नहीं मानने की एक अहम वजह है कि आम तौर पर लोग ध्वनि प्रदूषण को वायु प्रदूषण की तरह ही सेहत के लिए नुकसानदेह नहीं मानते। उन्हें वायु प्रदूषण के खतरे तो साफ दिखते हैं, लेकिन ध्वनि प्रदूषण के छिपे खतरों की तरफ उनका ध्यान तक नहीं जाता है। जबकि शोर एक बहुत बड़ा साइलेंट किलर है। सीमा से यादा शोर लोगों को सिर्फ बहरा नहीं बनाता, बल्कि उच रक्तचाप, नींद में खलल और कई अन्य मानसिक विकार भी पैदा कर डालता है। इससे शांत प्रवृत्ति के लोगों का व्यवहार भी हिंसक हो जाता है।

यहां तक कि गर्भस्थ शिशुओं को भी बाहरी शोर काफी यादा नुकसान पहुंचाता है। समयपूर्व प्रसव के लिए कई बार बाहरी शोर ही जिम्मेदार होता है। कहने को तो हमारे देश में पिछले कुछ दशकों में ऐसे प्रदूषण रोकने के लिए कुछ कायदे-कानून बनाए गए हैं, पर हमारी सरकारें नियम-कानून बनाकर ही अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेती हैं। इसलिए आजादी के बाद इस स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। वर्ष 2012 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रलय के तत्वावधान में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके तहत 25 बड़े शहरों में ध्वनि प्रदूषण की निगरानी के लिए एक नेटवर्क बनाने की बात कही गई थी। इस नेटवर्क में हर शहर में 10-10 निगरानी केंद्र बनाए गए, जो यह देखते हैं कि कहां कितना प्रदूषण है। फिर यदि अभी तक हमारे पास राजधानी दिल्ली को छोड़कर किसी भी शहर के बारे में अधिकृत आंकड़े नहीं हैं, क्योंकि देश में शोर को मापने की कोई व्यवस्था ठीक ढंग से काम कर ही नहीं रही है।

दिल्ली जैसे शहरों में शोर की मात्र कहीं यादा है, जहां ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम करने वाले कई कानून पिछले एक दशक से यादा समय से अस्तित्व में हैं। आवासीय इलाकों में ध्वनि की मात्र अधिकतम 55 डेसिबल, व्यापारिक इलकों में 65 डेसिबल और औद्योगिक क्षेत्रों में 75 डेसिबल होनी चाहिए, लेकिन हर जगह यह करीब 25 डेसिबल अधिक है। इस कारण कभी-कभी नौबत रोड रेज जैसी घटनाओं की भी आ जाती है। बहरहाल शांति का महत्व जानते हुए भी यह लापरवाही घातक है कि हम शोर को अपनी राष्ट्रीय पहचान बनने की छूट दे रहे हैं। ध्यान रखना होगा कि सिर्फ कानून ये हालात नहीं बदल सकते। लोगों की मानसिकता बदले बगैर शोर जैसी समस्या से निजात पाना नामुमकिन ही है।

देश के विकास से जुड़े मुद्दों को दलगत राजनीति के चश्मे से देखा जा रहा है

इन दिनों राष्ट्र के विकास और प्रगति से जुड़े मुद्दों को भी दलगत राजनीति के चश्मे से देखने का चलन जोर पकड़ रहा है। कोरोना संकट, किसानों की कठिनाइयां, महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार या देश की सुरक्षा पर जरूरत तो यह है कि सभी पार्टियां दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार-विमर्श करतीं, लेकिन ये विषय भी राजनीतिक पूर्वाग्रह की भेंट चढ़ गए। यह प्रवृत्ति भारत के समग्र उत्थान के लिए खतरनाक है। दलगत राजनीति से अलग सोच रखने वाला सामान्य नागरिक इससे चिंतित है। भला किस देश में सेना द्वारा की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' का भी प्रमाण मांगा जाता है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि हमारा देश हिंदू-मुस्लिम आधार पर बंटा था। पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के साथ जो कुछ हुआ, उसे सहकर जो लोग भारत आ सके, उन्हें भारत की नागरिकता मिलनी चाहिए, लेकिन राजनीतिक कारणों से आज कुछ लोग उसका भी विरोध कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में सत्तर साल पहले आमंत्रित कर लाए गए दलित समाज के मानवाधिकारों के लिए न तो कभी जुलूस निकाले गए, न ही मोमबत्तियां जलाई गईं।

सीएए का विरोध जिस ढंग से हुआ, वह सत्याग्रह तो कतई नहीं था। आज किसान आंदोलन की पटकथा लिखने वाले भी वही हैं जिन्होंने पूर्व में सीएए विरोधी आंदोलन को स्वरूप दिया था। इन्हें याद रखना चाहिए कि विश्व को सत्याग्रह की संकल्पना का पाठ पढ़ने वाले महात्मा गांधी ने चौरी-चौरा की हिंसक घटना के बाद अपने सहयोगियों की इच्छाओं के विरुद्ध जाकर आंदोलन स्थगित कर दिया था। केवल इसलिए कि सत्याग्रह दुराग्रह में परिवर्तित न हो। हालांकि किसान आंदोलन का सच अब उजागर हो चुका है। दिल्ली की सीमाओं पर डटे 'किसान' वे नहीं हैं, जो खेतों में फसल के साथ हैं। आंदोलन के प्रणेता आज बंगाल में जाकर लोगों को समझा रहे हैं कि वोट किसे नहीं देना है। यहां हितोपदेश की उस कथा की याद आती है कि चोला बदलने से जीवधारी की मूल प्रवृत्ति छुपाई नहीं जा सकती। यहां भी यही हो रहा है।

स्वार्थ की राजनीति में नैतिकता की अपेक्षा अब बेमानी लगती है। देखें तो कोरोना रणनीति की सफलता, टीकाकरण अभियान और उससे भी अधिक करीब 70 देशों को टीका पहुंचाना सारे विश्व में भारत और भारतीयों के लिए नए स्तर पर सम्मान अर्जित कर रहा है। यह 'सर्व भूत हिते रत:' का आधुनिक व्यावहारिक संस्करण है, जो भारत की प्राचीन संस्कृति की गरिमा और गहनता से ओत-प्रोत है। यदि राजनीतिक पूर्वाग्रह नहीं होते तो देश में भी आज हर तरफ इसकी प्रशंसा होती। विपक्ष भी गौरवान्वित होकर केंद्र सरकार की पीठ ठोंकता, मगर एक पूर्व मुख्यमंत्री ने भारत में बने टीके को भाजपा का टीका घोषित कर राजनीति के इतिहास में अपरिपक्वता और ईर्ष्या का नया उदाहरण जोड़ दिया। मुझे ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला, जो इस प्रकार के कथन से सहमति रखता हो। कोरोना संघर्ष में भारत ने जो नीतिगत परिपक्वता और दूरदृष्टि दिखाई है, उसके प्रति प्रत्येक भारतीय के मन-मानस में संतुष्टि और उत्साह की भावना प्रखरता से उत्पन्न हुई है। सारा विश्व भारत की प्रशंसा कर रहा है। सामान्य नागरिक अपने विज्ञानियों पर गर्व कर रहा है।

यह देश का दुर्भाग्य है कि इस समय देश में एक ऐसा वर्ग एकजुट हो रहा है, जो केवल नकारात्मकता उजागर करने में ही अपना भविष्य देखता है। जब कोई व्यक्ति, समूह या राजनीतिक दल स्वार्थवश राष्ट्र की गरिमा और स्वाभिमान को भी नकारने लगता है तथा चुनाव और सत्ता के आगे नहीं देख पाता है, तब ऐसे वक्तव्य सामने आते हैं। ऐसे लोग ही टीकाकरण के विरुद्ध अफवाहें फैलाने और शंकाओं का निर्माण करने जैसे अमानवीय कृत्य करते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही देश के विभिन्न समूहों में एक-दूसरे के प्रति आज जितना अविश्वास व्याप्त हो गया है, उतना पहले शायद ही कभी रहा था। कोरोना महामारी में भारत विश्व-पटल पर और अधिक बड़ी भूमिका निभा सकता था, यदि कुछ कुछ गिने-चुने विघ्न-संतोषी प्रजातंत्र की आत्मा को समझने का प्रयास करते और सत्ता पक्ष-विपक्ष के सम्मिलित उत्तरदायित्व को निभाने की क्षमता रखते।

पारस्परिक आचार, विचार और व्यवहार की जो विरासत भारत और भारतीयों को अपने स्वतंत्रता सेनानियों से मिली, वह अद्भुत और अद्वितीय थी। इसमें उनके प्रति भी सदा सम्मान तथा शालीनता बनाए रखी गई, जिनके विरुद्ध संघर्ष छेड़ा गया था, जिनके साथ वैचारिक मतभेद था। स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी नेताओं के मध्य अनेक प्रकार के मतभेद लोगों के सामने आ जाते थे, लेकिन पारस्परिक अशालीनता के कोई प्रकरण ढूंढने से भी नहीं मिलते थे। भारत की स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दशकों में कभी भी पक्ष या विपक्ष के किसी नेता द्वारा अपने विरोधी के लिए चोर, कायर, डरपोक, बोटी-बोटी काटने जैसे अस्वीकार्य अपशब्दों का प्रयोग न तो सुना, न देखा, न पढ़ा गया। 13 जुलाई, 1955 को पं. नेहरू यूरोप तथा तत्कालीन सोवियत संघ की यात्रा के बाद जब लौटे तो उनके विरोध के बावजूद राष्ट्रपति बने डॉ. राजेंद्र प्रसाद सारी परंपरा तोड़ते हुए उन्हें लेने हवाई अड्डे चले गए। इसी तरह गांधी जी से मतभेद के कारण नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, पर वह जहां भी रहे, गांधी जी का परिचय 'वह मेरे राष्ट्रपिता हैं' कहकर देते रहे। जब नेताजी के देहांत की दुखद खबर आई तो गांधी जी ने एक संवेदना संदेश में उनकी दिल खोलकर प्रशंसा की।

नाम की दिल्ली सरकार

एनसीटी ऑफ दिल्ली (अमेंडमेंट) बिल, 2021 बुधवार 24 मार्च को राज्यसभा से भी पास हो गया। लोकसभा ने इस पर 22 मार्च को ही मुहर लगा दी थी। इस बदलाव का मकसद दिल्ली सरकार को पूरी तरह उप-राज्यपाल के अधीन कर देना है। अपने हर फैसले पर दिल्ली सरकार को उनकी राय लेनी पड़ेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि यह कानून उनकी सरकार को दबाने के लिए बनाया जा रहा है। यादातर विपक्षी दलों की भी यही राय है। इसीलिए रायसभा में 12 विपक्षी दलों ने विधेयक का विरोध किया, जबकि नौ ने लोकसभा में इसके खिलाफ आवाज उठाई थी। विपक्ष का कहना है कि यह कानून देश की संघीय शासन व्यवस्था की नींव पर चोट करता है और असंवैधानिक है।

लेकिन बीजेपी के मुताबिक, इसका मकसद संविधान के दायरे के अंदर रहते हुए दिल्ली सरकार और उप-रायपाल की शक्तियों को लेकर भ्रम की गुंजाइश खत्म करना है ताकि राजकाज में कोई दिक्कत न आए। इसके लिए उसने 2018 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें उसने कहा था कि दिल्ली सरकार को रोजमर्रा के काम के लिए उप-रायपाल से सहमति लेने की जरूरत नहीं है।बीजेपी कह रही है कि इस फैसले से जो अनिश्चितता और भ्रम बना, उसे खत्म करने के लिए उसकी सरकार को यह कानून बनाना पड़ रहा है। उस वक्त दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच शक्तियों को लेकर टकराव चल रहा था, इसलिए मामला सुप्रीम कोर्ट गया। यह भी सच है कि उस फैसले से दिल्ली सरकार के अधिकार सीमित हुए थे।

लेकिन तब से अबतक दोनों सरकारों के बीच ऐसा कोई मसला नहीं दिखा है, इसलिए पूछा जा रहा है कि केंद्र को अचानक यह कानून क्यों बनाना पड़ा? कुछ लोग इसे दिल्ली के जनादेश का अपहरण भी बता रहे हैं, क्योंकि उससे निकली सरकार की जवाबदेही अब जनता से यादा उप-रायपाल के प्रति होगी। केंद्र के इस कानून से दिल्ली को पूर्ण राय का दर्जा देने-दिलाने का मामला अर्थहीन हो गया है। ध्यान रहे, यह वादा दिल्ली की तीनों प्रमुख पार्टियां- आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस हर चुनाव में करती आई हैं। दूसरे, संघीय व्यवस्था पर चोट की जो बात विपक्ष ने कही है, वह भी बेवजह नहीं है।

बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए के सत्ता में आने के बाद से यह सवाल अक्सर उठता रहा है। केंद्र और विपक्ष शासित रायों के बीच अधिकारों को लेकर टकराव भी हो रहे हैं। विपक्ष शासित रायों ने केंद्र पर सीबीआई और एनआईए जैसी अपनी एजेंसियों के जरिये उनके कामकाज में अड़ंगा लगाने की बात कही है जबकि केंद्र ने करप्शन मामलों की जांच में एजेंसियों के साथ सहयोग न करने का आरोप उनपर लगाया है।

क्वाड के जरिये भारत हिंद महासागर में चालबाज चीन को कर सकता है कमजोर

रूस की दृष्टि में भारत का इस समूह में शामिल होना अनैतिक है। दरअसल रूस को लगता है कि आगे चलकर क्वाड उसके लिए भी हिंद प्रशांत क्षेत्र में खतरा साबित हो सकता है। अमेरिका और रूस एक-दूसरे के विरोधी हैं। चूंकि क्वाड पर नियंत्रण अमेरिका का भी रहेगा और समय के साथ उसका प्रभुत्व बढ़ भी सकता है। ऐसे में भारत यदि रूस के विपरीत खेमे का हिस्सा बनता है तो हिंद प्रशांत में जो रूसी बेड़ा है उसके लिए भी खतरा हो सकता है। हालांकि यहां रूस की शंका वाजिब नहीं है, क्योंकि भारत कभी भी रूस विरोधी गतिविधि में शामिल होने की सोच भी नहीं सकता है।

विदेश नीति एक निरंतरशील प्रक्रिया है और प्रगतिशील भी, जहां विभिन्न कारक भिन्न-भिन्न स्थितियों में अलग-अलग प्रकार से देश-दुनिया को प्रभावित करते रहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर नए-नए मंचों की न केवल खोज होती है, बल्कि व्याप्त समस्याओं से निपटने के लिए विभिन्न देशों में एकजुटता को भी ऊंचाई देनी होती है। क्वाड का इन दिनों वैश्विक फलक पर उभरना इस बात को पुख्ता करता है। क्वाड (क्वाडिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) भारत समेत जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का एक चतुष्कोणीय समझौता है। इसका उद्देश्य हिंद प्रशांत क्षेत्र में काम करना है, ताकि समुद्री रास्तों से होने वाले व्यापार को आसान किया जा सके। मगर एक सच यह भी है कि अब यह व्यापार के साथ-साथ सैनिक बेस को मजबूती देने की ओर भी है। ऐसा इसलिए ताकि शक्ति संतुलन को कायम किया जा सके। हालांकि इन चारों देशों की अपनी प्राथमिकताएं हैं और आपसी सहयोग की सीमाएं भी।

समय के साथ उसका प्रभुत्व बढ़ भी सकता है। ऐसे में भारत यदि रूस के विपरीत खेमे का हिस्सा बनता है तो हिंद प्रशांत में जो रूसी बेड़ा है उसके लिए भी खतरा हो सकता है। हालांकि यहां रूस की शंका वाजिब नहीं है, क्योंकि भारत कभी भी रूस विरोधी गतिविधि में शामिल होने की सोच भी नहीं सकता है। दरअसल क्वाड केवल चीन को ध्यान में रखकर बनाया गया एक औपचारिक संगठन है। और शायद भारत इसके

अलावा किसी और रूप में क्वाड को देखता भी नहीं है, पर शंका समाप्त करने के लिए इस मामले में भारत को रूस से खुलकर बात करनी चाहिए। और संदेह समाप्त करने में देरी भी नहीं करनी चाहिए।

भारत के क्वाड में होने से जहां पड़ोसी चीन की मुश्किलें बढ़ी हैं वहीं रूस भी थोड़ा असहज महसूस कर रहा है, पर दिलचस्प यह है कि ब्रिक्स में भारत इन्हीं के साथ एक मंचीय भी होता है। गौरतलब है कि ब्रिक्स पांच देशों का एक समूह है जिसमें भारत के अलावा रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इन्हें विकसित और विकासशील देशों के पुल के तौर पर देखा जा सकता है। रूस भारत का नैसर्गिक मित्र है और चीन नैसर्गिक दुश्मन। जाहिर है क्वाड से हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका बढ़ेगी। इससे भारत को चीन को संतुलित करने में मदद मिलेगी। मगर भारत के सामने रूस को साधने की भी चुनौती कमोबेश रहेगी। हालांकि रूस यह जानता है कि भारत कूटनीतिक तौर पर एक खुली नीति रखता है। यह दुनिया के तमाम देशों के साथ बेहतर संबंध का हिमायती रहा है। भारत पाकिस्तान और चीन से भी अछे संबंध चाहता है। वह जितना अमेरिका से अछे संबंध बनाए रखने का इरादा दिखाता है उससे कहीं अधिक रूस के साथ नाता जोड़े हुए है। इसके अलावा सार्क, आसियान, ओपेक और पश्चिम के देशों समेत अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिका के देशों के साथ उसके रिश्ते कहीं अधिक मधुर हैं।

चीन द्वारा क्वाड समूह को दक्षिण एशिया के नाटो के रूप में संबोधित किए जाने से उसकी चिंता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उसका आरोप है कि उसे घेरने के लिए यह एक चतुष्पक्षीय सैन्य गठबंधन है। चीन क्वाड देशों के बीच व्यापक सहयोग को लेकर बन रही समझ से कहीं अधिक चिंतित है। हालांकि इसकी जड़ में चीन ही है। दरअसल क्वाड समूह का प्रस्ताव सबसे पहले साल 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो एबी ने रखा था, जिसे लेकर भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने समर्थन किया था। उस दौरान दक्षिण चीन सागर में चीन ने अपना प्रभुत्व दिखाना शुरू किया था।

दुनिया के नियमों को ताख पर रख कर चीन इस क्षेत्र पर अपनी मर्जी चलाने लगा था। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का सामुद्रिक व्यापार इसी रास्ते से होता है। यहां से प्रतिवर्ष पांच लाख टिलियन डॉलर का व्यापार होता है। हालांकि इस दौरान क्वाड का रवैया आक्रामक नहीं था। चीन की चिंता यह भी है कि क्वाड एक नियमित सम्मेलन स्तर का मंच बनने जा रहा है। उधर आसियान देश भी दबी जुबान चीन का विरोध करते हैं, पर खुलकर सामने नहीं आ पाते। दक्षिण कोरिया भी दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से काफी खफा रहा है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर का सिलसिला अभी थमा नहीं है। कोरोना वायरस के चलते भी चीन दुनिया के तमाम देशों के निशाने पर है। जाहिर है क्वाड के जरिये भारत हिंदू महासागर में उसे कमजोर कर सकता है। साथ ही हिंदू प्रशांत क्षेत्र में भी अपनी भूमिका बढ़ा सकता है। यही चीन की बौखलाहट का प्रमुख कारण है।

रूस की दृष्टि में भारत का इस समूह में शामिल होना अनैतिक है। दरअसल रूस को लगता है कि आगे चलकर क्वाड उसके लिए भी हिंद प्रशांत क्षेत्र में खतरा साबित हो सकता है। अमेरिका और रूस एक-दूसरे के विरोधी हैं। चूंकि क्वाड पर नियंत्रण अमेरिका का भी रहेगा और समय के साथ उसका प्रभुत्व बढ़ भी सकता है। ऐसे में भारत यदि रूस के विपरीत खेमे का हिस्सा बनता है तो हिंद प्रशांत में जो रूसी बेड़ा है उसके लिए भी खतरा हो सकता है। हालांकि यहां रूस की शंका वाजिब नहीं है, क्योंकि भारत कभी भी रूस विरोधी गतिविधि में शामिल होने की सोच भी नहीं सकता है। दरअसल क्वाड केवल चीन को ध्यान में रखकर बनाया गया एक औपचारिक संगठन है। और शायद भारत इसके अलावा किसी और रूप में क्वाड को देखता भी नहीं है, पर शंका समाप्त करने के लिए इस मामले में भारत को रूस से खुलकर बात करनी चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

मार्च में गर्मी का टूटा रिकॉर्ड, तापमान 39 डिग्री पहुंचा; 10 वर्षों में दूसरी बार सबसे गर्म माह

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मार्च 2021 की गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। बीते 10 वर्षों में मार्च दूसरी बार सबसे गर्म रहा। वहीं, होली भी एक दशक की सबसे गर्म होली रही। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल बढ़ती गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। बीते कुछ दिनों से तापमान में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही थी। सोमवार को बीते 10 सालों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अधिकतम तापमान सामान्य के मुकाबले 4 डिग्री अधिक 39 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

एक दशक का रिकॉर्ड देखें तो वर्ष 2017 में 30 मार्च को अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। इसके अलावा बीते 10 सालों में मार्च इतना गर्म कभी नहीं हुआ। सोमवार को फिर अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुई। जाहिर है कि बीते 10 सालों में वर्ष 2017 को छोड़ इतनी गर्मी पहले नहीं पड़ी। बीते साल 31 मार्च को अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

अधिकतम तापमान में ही वृद्धि नहीं हो रही है तेज धूप के चलते हैं रात में भी खासी गर्मी महसूस की जा रही है। तापमान लगातार सामान्य के मुकाबले तीन-चार डिग्री अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। बीती 23 मार्च को तो न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 21.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 20.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। साफ है कि दिन में तो गर्मी है ही रात में भी लोगों को चैन नहीं मिल रहा है।

होली की बात करें तो इस बार होली फिर मार्च के अंतिम सप्ताह में पड़ी। वर्ष 2010 में होली फरवरी में थी। वहीं वर्ष 2000 के बाद तीसरी बार होली मार्च में मनाई गई है। मार्च के अंतिम सप्ताह में होली होने से मौसम बेहद गर्म हो गया। इससे पहले वर्ष 2005 में 25 मार्च, 2013 में 27 मार्च को होली मनाई गई थी। मौसम गर्म होने के कारण लोगों ने जमकर होली खेली।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार फिलहाल अगले एक सप्ताह मौसम में किसी तरीके के बदलाव की उम्मीद नहीं हैं मंगलवार को भी तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। तापमान में वृद्धि लखनऊ में ही नहीं हुई प्रदेश का सबसे गर्म शहर झांसी रहा जहां अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यही नहीं न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया सुल्तानपुर और कानपुर भी बेहद गर्म रहे। यहां भी तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

कानपुर के कॉर्डियोलॉजी अस्पताल में अब इमरजेंसी वार्ड में भड़की आग, सभी आठ मरीजों को कराया शिफ्ट

कानपुर । लक्ष्मीपत सिंघानिया हृदय रोग संस्थान कॉर्डियोलॉजी अस्पताल में रविवार की सुबह आग लगने की घटना के दो दिन बाद फिर आग भड़कने से दहशत फैल गई। मंगलवार भोर पहर दो बार भड़की आग से अफरा तफरी का माहौल बन गया। पहले इमरजेंसी वार्ड के एसी में आग लगने पर सभी आठ मरीजों को तत्काल शिफ्ट कराया गया, इसके करीब तीन घंटे बाद ही रूम नंबर एक में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हालांकि अस्पताल स्टॉफ ने आनन फानन अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पा लिया और समय पर दमकल की गाडियां आ गईं।

अग्निशमन विभाग के मुताबिक मंगलवार भोर पहर करीब पौने चार बजे इमरजेंसी वार्ड में केबिन की छत पर लगे एसी व ट्यूबलाइट के पास शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। तेज धुआं उठने पर स्टाफ को जानकारी हुई। इसपर स्टॉफ ने मरीजों को श्वास लेने में दिक्कत न हो, यह सोचते हुए तत्काल चार मरीजों को जनरल वार्ड और बाकी चार मरीजों को एसबीयू वार्ड में शिफ्ट कराया।

इस दरमियान अस्पताल कर्मियों ने फायर एस्टिंग्यूशर की मदद से आग बुझाई। इस बीच सूचना पर दमकल गाड़ी भी पहुंची लेकिन तब तक आग बुझ चुकी थी।

अस्पताल से दमकल गाड़ी जाने के बाद करीब सात बजे फिर रूम नंबर एक में पर्दे में आग लग गई। कर्मचारी की नजर पड़ी तो तुरंत पानी डालकर बुझाया। लाटूश रोड फायर स्टेशन के एफएसओ सुरेंद्र चौबे ने बताया कि कॉर्डियोलॉजी हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह फिर आग लगने की सूचना मिली थी लेकिन दमकल पहुंचने से पहले ही स्टाफ ने खुद ही आग पर काबू पा लिया। इमरजेंसी वार्ड में आठ मरीज थे, जिन्हें दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था। आग से कोई नुकसान नहीं हुआ है।

संक्षिप्त खबर

प्रयागराज में दूसरे दिन भी खेली जा रही है होली, घर बैठे आप भी लें इंटरनेट मीडिया पर हुड़दंग की मस्ती

प्रयागराज । प्राचीन परंपरा के तहत प्रयागराज में आज दूसरे दिन भी होली मनाई जा रही है। प्रेम व सौहार्द के पर्व होली पर हर कोई आनंदित है। मंगलवार की सुबह से रंग खेलने का दौर शुरू हो गया है। चौराहों व गली-मोहल्लों में होलियारों की भीड़ जुटी है। शहर में सबसे ज्यादा रौनक लोकनाथ चौराहा पर है। यहां कपड़ा फाड़ होली खेलने के लिए हजारों युवाओं की भीड़ जुट गई है। यहां एक खास बात यह है कि आप घर बैठे भी होली के हुड़दंग का मजा इंटरनेट मीडिया पर ले सकते हैं। फिल्मी गानों पर थिरकते हुए एक-दूसरे का कपड़ा फाड़कर उसे बिजली के तार पर लटका रहे हैं। होलियारों पर टेसू के फूल व अबीर-गुलाल भी उड़ाया जा रहा है। गुलाल व रंगों को फव्वारा के जरिए डाल रहे हैं। वहीं, दारागंज मोहल्ला में दमकल युद्ध चल रहा है। दमकल नुमा पिचकारी में रंग भरकर होलियारों के ऊपर डाली जा रही है। संयोजक तीर्थराज पांडेय बच्चा भैया के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी, जो बाइडेन, अमिताभ बच्चन नामक दमकल के साथ रंग खेला जा रहा है। इसका आनंद लेने के लिए दूर-दूर से लोग दारागंज आए हैं। होली पर्व पर चहुंओर रंगों की बारिश हो रही है। कोरोना संक्रमण के भय पर होली का उत्साह सिर चढ़कर बोल रहा है। लोकनाथ चौराहा, जानसेनगंज, कटरा, दारागंज, अलोपीबाग, झूंसी, नैनी, फाफामऊ, राजरूपपुर सहित हर मोहल्ला के चौराहा पर युवाओं की भीड़ जुटी है। नाकाबंदी-नाकाबंदी..., अभी तो पार्टी शुरू हुई है..., रंग बरसे भीगे चुनरवाली..., होली के दिन..., जैसे गानों पर जगह-जगह युवाओं की टोली डांस कर रही है, घर की छतों से उनके ऊपर रंगों की बारिश हो रही है।

घर बैठे लोग भी बाहर खेली जाने वाली होली का आनंद ले सकें, इसके लिए इंटरनेट मीडिया में उसका प्रसारण कराया जा रहा है। हर चौराहा पर कुछ लोग फेसबुक, यूट्यूब पर होली का सीधा प्रसारण कर रहे हैं।

सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष पप्पू लाल निषाद बोले- भाजपा की नीतियां पिछड़ों, दलितों की विरोधी है

प्रयागराज । समाजवादी पार्टी (सपा) पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के नव नियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष पप्पू लाल निषाद मनोनयन के बाद पहली बार प्रयागराज पहुंचे। सपा कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। सपा के जिला कार्यालय जॉर्जटाउन में मौजूद पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उन्होंने दिशा-निर्देश दिया। सपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही प्रदेश में पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों सहित समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने मे विश्वास करती है द्य सपा सरकार की योजनाओं का लाभ सभी को समान रूप से मिला है, जबकि भाजपा सरकार में दलितों पिछड़ों के साथ लगातार अत्याचार के मामले बढ़े हैं।

सपा जिला अध्यक्ष योगेश चंद्र यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, एमएलसी बासुदेव यादव, डॉ मानसिंह यादव, पूर्व विधायक जोखूलाल यादव, संदीप सिंह पटेल, कमला यादव आदि ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को पूरे देश में समाजवाद की नई पीढ़ी का एकमात्र युवा नेता बताया। कहा कि आज उनकी ओर पूरे देश का नौजवान, किसान, बेरोजगार, सहित समाज का हर तबका देख रहा है। दावा किया कि उनके नेतृत्व में 2022 में प्रदेश में सपा की सरकार होगी।

इन नेताओं की रही उपस्थिति- इस अवसर पर श्याम लाल पाल, राम सुमेर पाल, पूर्व पार्षद नंदा निषाद मंसूर आलम, रमाकांत पटेल, धर्म पाल यादव, मंजू शर्मा, मीरा निषाद, राजकुमार यादव, संजय उर्फ कल्लू यादव, इंद्र नाथ मिश्रा, कुंदन यादव, संतलाल वर्मा, दान बहादुर सिंह मधुर, नाटे चौधरी, सुशील यादव, कृपा शंकर बिंद आदि मौजूद रहे ।

भाजपा ने पंचायत चुनाव जीतने के लिए बनाई रणनीति, पूरे प्रदेश में 15 हजार से अधिक कार्यक्रम

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनावों को सत्ता के सेमीफइनल की तरह देखा जा रहा है। पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने विस्तृत कार्ययोजना पर अमल तेज कर दिया है। पंचायतों में विजय लक्ष्य पूरा होने का दावा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का कहना है कि अंत्योदय संकल्प पूरा करने के लिए चुनाव लड़ा जा रहा है।

यूपी बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि पंचायतों में व्यवस्था परिवर्तन के लिए मैदान में उतरी पार्टी लगातार चुनावी तैयारी कर रही है। बूथ संपर्क अभियान के अलावा ग्राम सभा व जिला पंचायत वार्ड बैठकों का दौर पूरा हो चुका है। प्रत्याशियों के चयन को वार्ड व जिला स्तर पर कमेटियां गठित कर दी गई है। उम्मीदवारों के चयन में समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला पंचायतों के वार्ड प्रत्याशियों की सूची प्रदेश से जारी होगी। जिला पंचायतों के सभी 3051 वार्डों में उम्मीदवार उतारे जाएंगे।

प्रत्येक वार्ड में बड़ी जनसभा, शामिल होंगे दिग्गज - जिला पंचायत वार्डों पर फोकस कर रही भाजपा प्रत्येक वार्ड में एक बड़ी जनसभा आयोजित करेगी, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अलावा स्थानीय विशिष्ट जनों का संबोधन होगा। साथ ही प्रत्येक वार्ड में विभिन्न वर्गों के कम से कम पांच कार्यक्रम किए जाएंगे। इस प्रकार पूरे प्रदेश में 15 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा चुनाव प्रचार करेंगी। महिला, किसान, युवाओं के अलावा अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग की बैठकें माहौल बनाने के लिए आयोजित की जाएंगी। प्रदेश उपाध्यक्ष व पंचायत चुनाव प्रभारी विजय बहादुर पाठक ने बताया कि मंडलस्तर पर मुख्यमंत्री व अन्य शीर्ष नेताओं की सभाएं भी आयोजित कराने की तैयारी है।

प्रभारी डालेंगे जिलों में डेरा - पंचायत चुनाव के लिए संगठन द्वारा नियुक्त प्रभारियों को अपने क्षेत्रों व जिलों में प्रवास को कहा गया है। स्थानीय स्तर पर नामित किए पदाधिकारियों के साथ बैठकें करके योजनाबद्ध तरीके से प्रचार तेज करने को कहा गया है। प्रदेश मुख्यालय से नियमित मानिटिरिंग की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहा कोरोना संक्रमण, 1368 नए केस मिले; 5 लोगों की मौत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मार्च में हर दिन नए मामलों की संख्या बढ़ने का सिलसिला जारी है। बीते 24 घंटे के दौरान प्रदेश में कोरोना से संक्रमित 1368 नए रोगी मिले हैं। पांच मरीजों की मौत हो गई है, जबकि 299 मरीज डिस्चार्ज किए गए हैं। बीते 24 घंटे के दौरान सर्वाधिक 499 नए रोगी राजधानी लखनऊ में मिले। सचिवालय में खाद्य एवं रसद विभाग के बाद अब वित्त विभाग में भी कोरोना का संक्रमण फैल गया है। विशेष सचिव ओपी द्विवेदी और करीब 10 कर्मचारी कोरोना संक्रमित पाए गए। पहले खाद्य एवं रसद विभाग में 14 कर्मचारी संक्रमित पाए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में नए कोरोना वायरस से संक्रमितों के मुकाबले फिर कम रोगी ठीक हो रहे हैं। बीते 24 घंटे में 299 कोरोना संक्रमित स्वस्थ हुए हैं। पांच और रोगियों की मौत के साथ अब तक कुल 8790 लोगों की जान यह खतरनाक वायरस ले चुका है। नए मामलों की संख्या में लगातार इजाफा होने से प्रदेश में अब कोरोना संक्रमण के एक्टिव केस बढ़कर 8669 हो गए हैं।

बीते 24 घंटे के दौरान सर्वाधिक 499 नए रोगी राजधानी लखनऊ में मिले। इसके साथ ही लखनऊ में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 2598 हो गई है। इसके अलावा जिन जिलों में कोरोना के ज्यादा नए मामले सामने आए, उनमें वाराणसी में 75, मथुरा में 61, प्रयागराज में 57, कानपुर में 53, रयबरेली व उन्नाव में 48-48, गौतम बुद्ध नगर 46 और गाजियाबद में 34 मरीज मिले हैं। बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण से लखनऊ में दो व कानपुर, वाराणसी और आगरा में एक-एक मरीज की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में अब तक कुल 6.13 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और इसमें से 5.97 लाख रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। अब एक्टिव केस घटकर 97.4 फीसद हो गया है।

सैंथिया विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार प्रिया साहा ने बीरभूम जिले के हाटा में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने डोर टू डोर चुनाव प्रचार के दौरान ग्रामीणों के साथ क्रिकेट खेला।

बिहार में सीएम नीतीश का बड़ा सियासी कदम, उपेंद्र कुशवाहा के बाद अब एक और बड़े नेता की होगी घर वापसी

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव में कमजोर होने के बाद जनता दल यूनाइटेड की नजर अपने पुराने लव-कुश समीकारण पर है। इसके तहत कुशवाहा नेताओं को अपने पाले में करने की कोशिश लगतार जारी है। पार्टी ने पहले अपने प्रदेश अध्यक्ष के पद पर उमेश कुशवाहा को बैठाया। फिर कुशवाहा समाज के बड़े नेता उपेंद्र कुशवाहा अपनी पूरी पार्टी के साथ जेडीयू में शामिल हो गए। बताया जा रहा है कि अब जेडीयू की नजर एक और मजबूत कुशवाहा नेता भगवान सिंह कुशवाहा पर है, जिन्होंने टिकट नहीं मिलने पर बीते विधानसभा चुनाव के समय जेडीयू छोड़ दिया था।

विदित हो कि विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तहत जेडीयू तीसरे नंबर की पार्टी बन गई। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी ने एनडीए के तहत किए गए चुनावी वादे के अनुसार जेडीयू के नेता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन सीटों के गणित में गठबंधन के अंदर जेडीयू की हैसियत कमजोर हुई है। इसके बाद जेडीयू अपने जमीनी आधार को मजबूत करने में लगा है। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने राजतनीतिक आधार रहे लव-कुश वोटों को सहेजने की कोशिश में हैं। उपेन्द्र कुशवाहा के बाद अब भगवान सिंह कुशवाहा के आने के बाद यह समीकरण मजबूत होगा।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को होली के मौके पर जेडीयू के पूर्व नेता व कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी रहे भगवान सिंह कुशवाहा जेडीयू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व रायसभा सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह के घर पहुंचे। भगवान सिंह कुशवाहा ने बीते विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर जेडीयू छोड़कर जगदीशपुर से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। अब उनके वशिष्ठ नारायण सिंह से मिलने के बाद राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। विदित हो कि उपेंद्र कुशवाहा की जेडीयू में वापसी में वशिष्ठ नारायण सिंह की मध्यस्थता महत्वपूर्ण रही थी।

वशिष्ठ नारायण सिंह ने इशारों में ही कही बड़ी बात-होली में वशिष्ठ नारायण सिंह से मुलाकात के बाद भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने जेडीयू छोड़ दिया था, लेकिन उनका पार्टी से लगाव कायम रहा है।

वशिष्ठ नारायण सिंह अभिभावक हैं, वे उनके आदेश का पालन करेंगे। वहीं वशिष्ठ नारायण सिंह ने भी कहा कि भगवान सिंह कुशवाहा कभी भी जेडीयू से दूर नहीं गए। उनका पार्टी छोड़ना उस वक्त की परिस्थितियों का फैसला था, जिसका अब कोई मतलब नहीं है। तो क्या भगवान सिंह कुशवाहा की भी उपेंद्र कुशवाहा की ही तरह घर वापसी होगी वशिष्ठ नारायण सिंह ने इससे इनकार नहीं किया। इशारों में कहा कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है, इसे वक्त पर छोड़ दीजिए।

वशिष्ठ नारायण सिंह ने पुष्टि नहीं की, लेकिन सूत्र बताते हैं कि भगवान सिंह कुशवाहा की मुलाकात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी हो चुकी है।

उपेंद्र कुशवाहा की तर्ज पर भगवान सिंह कुशवाहा से वशिष्ठ नारायण सिंह ही बातचीत कर रहे हैं। सबकुछ ठीक रहा तो भगवान सिंह कुशवाहा जल्दी ही जेडीयू के पाले में दिख सकते हैं। भगवान सिंह कुशवाहा कभी उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे थे। लेकिन उनेंद्र कुशवाहा के एनडीए छोड़कर महागठबंधन में शामिल होने के दौरान उन्होंने पार्टी छोड़कर जेडीयू का दामन थाम लिया था। तब उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव और 2020 के विधानसभा चुनाव को बड़ी चुनौती बताया था। बाद में जब उन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला, उन्होंने जेडीयू छोड़ दिया था।

पुलिस से धक्की-मुक्की करने में भाकपा माले अंचल सचिव समेत छह पर केस

दरभंगा । दरभंगा-मुजफ्फरपुर फोरलेन मार्ग (एनएच 57) में सिमरी चौक पर बांस बल्ला रखकर सड़क जाम करने व जाम हटाने गई पुलिस से धक्का-मुक्की करने के मामले में भाकपा माले समर्थकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। सिमरी थानाध्यक्ष हरिकिशोर यादव ने भाकपा माले के अंचल सचिव सुरेंद्र पासवान, पूर्व मुखिया रानी देवी, चौधरी राम, प्रमिला देवी, देवेन्द्र चौधरी, शंकर चौधरी सहित 20-25 अज्ञात लोगों को आरोपित किया है।

अंकित कांड में कहा है कि किसान आंदोलन को लेकर भारत बंद के मद्देनजर विधि व्यवस्था ड्यूटी के लिए थाना रिजर्व बल के साथ लगभग 12.30 बजे भराठी के पास गुजर रहा था। सूचना मिली की एनएच -57 मुख्य सड़क को बांस बल्ला लगाकर जाम किया गया है। जाम के कारण फोरलेन पथ पर वाहनों की कतार लगी है। विरोध प्रदर्शन करने के दौरान समझाने का प्रयास किया तो ये लोग काफी आक्रमक हो गए। पुलिस से अशब्द बोलकर धक्का-मुक्की करने लगे। जनप्रतिनिधि के हस्तक्षेप के दो घंटे बाद काफी मशक्कत से जाम हटाया गया। सड़क बाधित के कारण आम जन-जीवन प्रभावित हुआ है। दूर से सफर पर आने जानेवाले यात्रियों एवं अस्पताल जाने वाले मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। थानाध्यक्ष ने केस का अनुसंधान सहायक दारोगा शाहिद जावेद को सौंपा है। मामले की जांच की जा रही है।

पड़ोस की लड़कियां कर रही थीं परेशान, फेसबुक पर पोस्ट डाल आगरा में युवक ने किया सुसाइड

आगरा । पड़ोस में रहने वाली लड़कियों के आतंक से त्रस्त एक युवक ने फेसबुक पर खुदकुशी की पोस्ट अपलोड कर दी है। जानकारी होने पर लोगों ने पुलिस को बता दिया। इसके बाद साइबर सेल युवक के बारे में जानकारी करने का प्रयास कर रही थी। उसने अपनी पोस्ट में कुछ लड़कियों और महिलाओं को खुदकुशी का जिम्मेदार बताया है। मगर, रहने वाला कहां का है यह स्पष्ट नहीं किया है। हालांकि पोस्ट में लडकियों और महिलाओं के नाम खोल दिए हैं। जब तक पुलिस उस युवक को खोज पाती, तब तक युवक ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। उसकी हालत गंभीर है।

फेसबुक पर मंगलवार सुबह युवक ने पोस्ट की है। इसमें उसने लिखा है कि वह पड़ोसी दो लड़कियों से बहुत दुखी हो चुका है। मुझे और मेरी मां को ये लड़कियों बहुत परेशान कर रही हैं। मेरे खिलाफ झूठे केस करती हैं। लगभग एक वर्ष से पीछे पड़ी हैं। कभी छेड़छाड़ का आरोप लगाती हैं तो कभी दुष्कर्म का। मैंने पुलिस से शिकायत की, लेकिन यह नहीं मानीं। अब सीतापुर से एक फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया है। जबकि आजतक मैं सीतापुर नहीं गया। मैं मानसिक रूप से बहुत परेशान हो चुका हूं। इसलिए खुदकुशी कर रहा हूं। मेरी मौत की जिम्मेदारी दो लड़कियों और उनकी दो सहेलियों की होगी।

समाजसेवी नरेश पारस ने इस पोस्ट को देखते ही एसएसपी के सीयूजी नंबर पर काल करके इसकी जानकारी दी। इसके बाद ट्वीट भी कर दी। युवक आगरा का रहने वाला है, लेकिन किस इलाके का है यह अभी जानकारी नहीं है। एसएसपी मुनिराज जी ने मामले की जांच साइबर सेल को दी है। फेसबुक प्रोफाइल के आधार पर पुलिस उसका पता जानने का प्रयास कर रही थी। जब तक साइबर सेल ने युवक को खोजा, तब तक वह आत्मघाती कदम उठा चुका था।

एसएन इमरजेंसी में भर्ती है युवक, हालत गंभीर- फेसबुक प्रोफाइल के आधार पर पुलिस ने एक घंटे में ही युवक को ट्रैस कर दिया। न्यू आगरा क्षेत्र के ख्वासपुरा निवासी युवक ने फेसबुक पर पोस्ट डालने के बाद विषाक्त पी लिया था। उसको स्वजन ने एसएन इमरजेंसी में भर्ती करा दिया है। इंस्पेक्टर न्यू आगरा ने बताया कि युवक का मजिस्ट्रेट के सामने मृत्यु पूर्व का बयान दर्ज कराया जा रहा है। वह पड़ोस में रहने वाली युवती द्वारा उत्पीड़न की बात कह रहा है। पिछले दिनों सीतापुर कोतवाली में उसके खिलाफ युवती की सहेलियों ने मुकदमा दर्ज करा दिया था। तभी से वह परेशान चल रहा था।

थाने में सिंचाईकर्मी की मौत के बाद बवाल, छाबनी में तब्दील हुआ भागलपुर, दारोगा पर होगी कार्रवाई

भागलपुर । बरारी थानाक्षेत्र के मायागंज मोहल्ले में सोमवार की देर शाम पुलिस हिरस्त में सिंचाई कर्मी संजय कुमार अकेला उर्फ संजय यादव की मौत बाद बबाल मच गया। आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बरारी थाने का घेराव कर सिटी एएसपी पूरण कुमार झा और थानाध्यक्ष प्रमोद साह के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग करने लगे। शव को पुलिस अस्पताल से बरारी थाने लाई।

देखते ही देखते मायागंज इलाका पुलिस छावनी में बदल गया। शहर के सभी थाने की पुलिस और पुलिस केंद्र से रिजर्व बल भी बुला लिए गए। लोगों की भीड़ काफी बढ़ गई थी हालांकि आक्रोश के बावजूद लोगों ने तोडफ़ोड़ या उपद्रव नहीं किया। पुलिस भी बल प्रयोग के बदले मूक बनी रही मंगलवार की सुबह थाने से शव लेजाने के समय लोगो फिर हंगामा करने लगे। एसएसपी निताशा गुडिया थाने पहुंची और मृतक संजय की पत्नी गायत्री देवी, बेटी मनिका भारती, अंकित रानी, बीटा अनिमेष आनंद को धीरज रखने और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। कुछ देर थाने में मातहतों और स्थानीय प्रबुद्ध जनों से मंत्रणा बाद घटना की न्यायिक जांच करने और थानाध्यक्ष के विरुद्ध केस दर्ज कराने की बात कही। एसएसपी ने अपनी मौजूदगी में शव को थाने से पोस्टमार्टम प्रक्रिया कर लिए भेजवाया। शव ले जाते समय भी आक्रोशित भीड़ ने एम्बुलेंस रोकने की कोशिश की लेकिन स्थिति को भारी संख्या में मौजूद पुलिस बल और सामाजिक कार्यकर्ता अशोक यादव, पंकज यादव, जितेंद्र यादव, प्रदीप लाल यादव आदि ने संभाल लिया।

घटना की सूचना मिलने पर विधायक अजीत शर्मा वहां पहुंचे। विधायक ने कहा कि मृतक के स्वजनों को न्याय मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस संबंध जानकारी देने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनके स्वजन को नौकरी दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार मायागंज स्थित पासवान टोले के शीश पासवान, रामस्वरूप पासवान और ग्वाल टोली के लुचो यादव के परिवार के बचे में दिन में ही कहासुनी हुई थी। बाद में ग्वाल टोली से काफी संख्या में लोग पासवान टोला पहुंच शीश पासवान, रामस्वरूप पासवान आदि के घर घुसकर मारपीट की। घटना की जानकारी पर पहुची पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। उस दौरान बरारी थाने में तैनात अवर निरीक्षक दुर्गानंद हांसदा को भी लोगों ने लाठी से पीट दिया। स्थिति नियंत्रण से बाहर होटी देख अधिक संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया।

गोरखपुर पर सौगातों की बारिश कर लखनऊ रवाना हुए सीएम योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर । होली पर्व पर चार दिवसीय दौरे पर शनिवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महराजगंज और गोरखपुर पर विकास परियोजनाओं के उपहारों की बौछार कर मंगलवार सुबह लखनऊ रवाना हो गए।

सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या उनकी गोरक्षपीठाधीश्वर की भूमिका में परम्परागत रही। प्रातःकाल महायोगी गुरु गोरक्षनाथ और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष पूजन अर्चन करने के उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ समय मंदिर की गोशाला में व्यतीत किया और गोसेवा की। लगभग 11 बजे लखनऊ रवाना होने से पूर्व उन्होंने कुछ लोगों से मुलाकात भी की।

कोरोना से बचाव का दिया संदेश

कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए सीएम योगी बेहद संजीदा हैं। हर मंच से वह लोगों को सावधान रहने, सतर्कता बरतने और कोविड के मद्देनजर सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील करते रहे हैं। कोरोना का फैलाव रोकने के लिए ही जनहित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होली के दिन निकलने वाली भगवान नृसिंह शोभायात्रा में भी शामिल नहीं हुए। हालांकि होली के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में शाम को आयोजित फगुआ कार्यक्रम में वह लोगों को आशीर्वाद देने के लिए शामिल हुए लेकिन इस दौरान खुद कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लोगों को भी इसकी सीख दी।बता दें कि शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महराजगंज को 280 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी थी।

उसी दिन उन्होंने गोरखपुर में 260 करोड़ रुपये की लागत से बने पूर्वांचल के पहले चिड़ियाघर का लोकार्पण किया था। इसके अलावा उनके द्वारा रविवार को केंद्रीय नागर विमानन व शहरी कार्य, आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ महायोगी गुरु गोरक्षनाथ सिविल एयरपोर्ट टर्मिनल गोरखपुर में टर्मिनल भवन के विस्तार का शिलान्यास किया था और गोरखपुर से लखनऊ की पहली फ्लाइट का फ्लैग ऑफ किया था। रविवार को केंद्रीय मंत्री श्री पुरी की मौजदूगी में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 20 लाभार्थियों को आवास की चाभी भी सौंपी थी।

एक नजर

नंदीग्राम का महासंग्राम : सुवेंदु का बड़ा हमला, कहा- 'बेगम' ममता बनर्जी बंगाल को बना देंगी 'मिनी पाकिस्तान'

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में वार-पलटवार का दौर जारी है। सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वार पर भाजपा नेता और नंदीग्राम सीट से तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे सुवेंदु अधिकारी ने भी जबरदस्त पलटवार किया है और उनपर मुस्लिमों का तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया।

नंदीग्राम में चुनावी रैली के दौरान सुवेंदु ने कहा, 'ममता बनर्जी को 'ईद मुबारक' कहने की आदत है। इसीलिए उन्होंने आज होली की बधाई की जगह आप सभी को 'होली मुबारक' कहा। बेगम को वोट मत दीजिए। अगर आप बेगम को वोट देंगे तो यह (बंगाल) मिनी पाकिस्तान बन जाएगा। बेगम, सूफियान के अलावा किसी को नहीं जानतीं। बेगम अचानक बदल गईं और मंदिरों में जाने लगीं क्योंकि उन्हें हार जाने का डर है।÷

सुवेंदु ने आगे कहा कि आज जो लोग यहां चुनाव लड़ने आए हैं वे बाहर से आए हैं और अस्थाई तौर पर रह रहे हैं। चुनाव के बाद उड़ जाएंगे, जबकि वह (अधिकारी) यहां के स्थाई निवासी हैं और लोगों के सुख-दुख के लिए दिन-रात मौजूद रहेंगे। ऑडियो लीक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) का जो ऑडियो सामने आया है उसमें सुना जा सकता है कि वह नंदीग्राम में पहले भी नहीं आती थीं और आगे भी नहीं आएंगी। ऐसे में वह लगातार झूठ बोलती हैं कि नंदीग्राम के लोगों के लिए हमेशा रही हैं। सच्चाई यही है कि नंदीग्राम में वह कभी नहीं थीं।

बता दें कि आज ही ममता ने नंदीग्राम की सभा में सुवेंदु अधिकारी पर यूपी-बिहार के गुंडों से मदद मांगने का आरोप लगाया है। ममता ने कहा कि वह रॉयल बंगाल टाइगर हैं और मृत बाघ से घायल बाघ ज्यादा खतरनाक होता है। सोमवार को ममता ने यहां व्हीलचेयर पर बैठकर आठ किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इसके जवाब में सुवेंदु अधिकारी ने पांच जनसभाओं को संबोधित किया है और ममता बनर्जी को बाहरी करार दिया।

कोयला तस्करी मामले में चार महीने से फरार किंगपिन लाला कोलकाता में सीबीआइ के समक्ष हुए हाजिर

कोलकाता । हजारों करोड़ रुपए के कोयला तस्करी मामले में चार महीने से फरार किंगपिन अनूप माजी उर्फ लाला मंगलवार को कोलकाता में सीबीआइ के समक्ष हाजिर हुए।सीबीआइ के एंटी करप्शन ब्रांच ने मंगलवार को लाला को हाजिर होने के लिए कहा था। हालांकि इसके पहले भी कई बार सीबीआइ ने लाला को नोटिस दिया था लेकिन वह चार महीनों से हाजिर नहीं हो रहे थे। लाला से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बताते चलें कि सीबीआइ ने लाला के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। इसके साथ ही उनकी संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

महबूबा को पासपोर्ट के लिए उच्च न्यायालय से भी नहीं मिली मदद, कहा-यह मेरे कार्याधिकार में नहीं

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्षा व पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को अपने पासपोर्ट के लिए उच्च न्यायालय से भी कोई मदद नहीं मिली। उच्च न्यायालय ने इसे अपने कार्याधिकार क्षेत्र से बाहर का मामला बताते हुए इसमें दखल देने से इंकार कर दिया है। सिर्फ महबूबा मुफ्ती ही नहीं उनकी मां गुलशन मुफ्ती को भी जम्मू-कश्मीर पुलिस के सीआइडी विंग की नकारात्मक रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने उन्हें पासपोर्ट देने से इंकार कर दिया है। सीआइडी ने पीडीपी अध्यक्षा की विदेश यात्रा को राष्ट्रीय एकता व सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। उल्लेखनीय है कि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में देरी को देखते हुए महबूबा मुफ्ती ने बीते सप्ताह जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय में जस्टिस अली मोहम्मद मागरे की बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस अली मोहम्मद मागरे ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि मेरी राय में यह अदालत याचिकाकर्ता के पक्ष में पासपोर्ट जारी करने की कोई हिदायत नहीं दे सकती। किसी व्यक्ति विशेष के मामले में पासपोर्ट जारी करने के मामले में इस अदालत के पास कोई ज्यादा अधिकार नहीं है। अदालत सिर्फ संबंधित संस्था को संबंधित नियमों के आधार पर आवेदक को पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए ही कह सकती है। इससे पूर्व क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्रीनगर ने उच्च न्यायालय में एडीजीपी सीआइडी जम्मू-कश्मीर की एक रिपोर्ट भी जमा कराते हुए बताया कि सीआइडी ने महबूबा मुफ्ती को पासपोर्ट जारी करने की सिफारिश से इंकार किया है। नियमों के मुताबिक पुलिस की जांच रिपोर्ट पासपोर्ट के लिए अनिवार्य है। सीआइडी की रिपोर्ट के आधार पर महबूबा मुफ्ती का पासपोर्ट आवेदन पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा छह की उपधारा दो-सी के तहत खारिज किया जाता है। महबूबा मुफ्ती ने 11 दिसंबर 2020 को पासपोर्ट जारी करने के लिए आवेदन किया था। महबूबा मुफ्ती से कहा गया है कि अगर वह इस फैसले से असहमत हैं तो वह ज्वाइंट सेक्रेटरी और मुख्य पासपोर्ट अधिकारी विदेश मामले के मंत्रालय पटियाला हाउस नई दिल्ली में 30 दिनों के भीतर आवेदन कर सकती हैं।

महबूबा मुफ्ती ने अदालत के फैसले और सीआइडी रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया अपने ट्वीटर हैंडल पर व्यक्त करते हुए लिए है कि पासपोर्ट कार्यालय ने मुझे सीआइडी की एक रिपोर्ट के आधार पर पासपोर्ट जारी करने से इंकार किया है। सीआइडी ने मुझे देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए लिखा है कि अगस्त 2019 के बाद केंद्र सरकार ने कश्मीर में हालात सामान्य बनाने की दिशा में यही उपलब्धि हासिल की है कि एक पूर्व मुख्यमंत्री को पासपोर्ट देने से एक महान राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरा पैदा हो जाता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी मां को भी पासपोर्ट से वंचित किए जाने की जानकारी देते हुए बताया कि 70 के दशक में पहुंच चुकी मेरी मां भी अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी हैं। इसलिए उन्हें पासपोर्ट जारी नहीं किया जा सकता। भारत सरकार मुझे अपने आगे झुकाने के लिए मुझे प्रताड़ित करने के यूं बेहूदा और निंदनीय कार्य कर रही है।

तृणमूल पंचायत सदस्य की गोली मारकर हत्या की कोशिश, घटना को लेकर इलाके में तनाव

कोलकाता । दक्षिण 24 परगना के बांसती में तृणमूल पंचायत सदस्य की गोली मारकर हत्या की कोशिश की गई। गोली पैर में लगने से वह बाल-बाल बच गए। उनका नाम अनूप हालदार है, जो आमझड़ा ग्राम पंचायत के सदस्य हैं। रविवार की देर रात बासंती थानांतर्गत तालदा हालदार पाड़ा इलाके की यह घटना है, जिससे इलाके में तनाव का माहौल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार अनूप हालदार तृणमूल बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन समाप्त कर अपने परिचित तारक हालदार के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सड़क पर रोककर उनके साथ धक्कामुक्की की। इसी बीच हत्या के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों ने गोली चलाई और उनके दाहिने पैर में लग गई। वह रक्तरंजिश हालत में जमीन पर गिर पड़े। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर उन्हें कैनिंग महकमा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। बासंती ब्लॉक के तृणमूल संयोजक मंटू गाजी ने बताया कि भाजपा समर्थकों ने इलाके में दहशत फैलाने के लिए उन पर गोली चलाई। भाजपा नेताओं ने आरोपों को निराधार बताया। बारुईपुर पुलिस जिला के एडिशनल एसपी इंद्रजीत बसु ने बताया कि पारिवारिक कलह के कारण घटना घटी है। पुलिस के अनुसार अनूप के साला प्रणव सरदार के बीच काफी दिनों से एक मर्डर केस को लेकर विवाद चल रहा था। प्रणव केस वापस लेने को लेकर काफी दिनों से दबाव डाल रहा था। पुलिस के अनुसार घटना में अनूप हालदार (38) और कार्तिक हालदार (27) घायल हुए हैं। पुलिस अभियुक्तों की तलाश में जुट गई है।

दक्षिण हावड़ा निर्वाचन क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार नंदिता चौधरी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार के दौरान, हावड़ा जिले के बक्सरा में।

चीन के मुकाबले भारतीय वायुसेना की बढ़ेगी मारक क्षमता, जल्द मिलेंगे और 10 राफेल विमान

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना की मारक क्षमता और मजबूत होने जा रही है। एक महीने के भीतर वायु सेना के बेड़े में और 10 राफेल लड़ाकू विमान शामिल हो जाएंगे। इससे राफेल विमानों के दूसरे स्क्वाड्रन के गठन का रास्ता भी साफ हो जाएगा। नए विमानों के आने से वायु सेना में राफेल की संख्या 21 हो जाएगी। इससे पहले वायु सेना के अंबाला बेस में 17 स्क्वाड्रन में 11 लड़ाकू विमान शामिल हो चुके हैं।

सरकार से जुड़े वरिष्ठ सूत्रों ने एएनआइ को बताया, तीन राफेल लड़ाकू विमान दो से तीन दिन में फ्रांस से सीधे उड़ान भरकर भारत पहुंचेंगे, जिन्हें आसमान में ही मित्र वायु सेना द्वारा ईंधन दिया जाएगा। इसके बाद अगले महीने के दूसरे पखवाड़े में सात से आठ लड़ाकू विमान और उनके ट्रेनर वर्जन मिलेंगे। इसके साथ ही हमारी मारक क्षमता और बढ़ जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि फ्रांस से ये सारे विमान अंबाला एयर बेस पर पहुंचेंगे। वहां से इनमें से कुछ को हाशिमारा भेजा जाएगा, जहां राफेल लड़ाकू विमानों के दूसरे स्क्वाड्रन के गठन की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। बता दें कि एक स्क्वाड्रन में 15 से 18 विमान होते हैं। हाशिमारा वायु सेना स्टेशन बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में भारत-भूटान सीमा के करीब है। भारत ने 2016 में फ्रांस के दासौ एविएशन के साथ 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का सौदा किया था। इस साल अप्रैल के आखिर तक इनमें से 50 फीसद विमान भारत आ जाएंगे।

वायुसेना के आपरेशंस के लिए हाशिमारा एक सामरिक बेस है क्योंकि यह भूटान और चुंबी घाटी के नजदीक है। चुंबी घाटी में ही भारत, भूटान और चीन के बीच का ट्राई-जंक्शन और डोकलाम स्थित है जहां 2017 में चीन की सेना के साथ काफी लंबा गतिरोध चला था। उक्त ट्राई-जंक्शन तीनों ही देशों के लिए चिंता का सबब है।

महाराष्ट्र में तेजी से बढ़ते कोरोना मामलों के बीच सीएम उद्धव ठाकरे ने की बैठक, लॉकडाउन लगाने के दिए संकेत

मुंबई । देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर देखी जा रही है। बीते पांच महीनों में सोमवार को कोरोना के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। कोरोना को लेकर महाराष्ट्र की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है, यहां रोजाना कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने स्वास्थ्य अधिकारियों और कोविड टास्क फोर्स के साथ बैठक की है।

बैठक में सीएम उद्धव ठाकरे ने निर्देश दिए हैं कि अगर लोग कोविड से संबंधित नियमों का उल्लंघन करना जारी रखते हैं तो लॉकडाउन जैसे प्रतिबंधों के लिए तैयार रहें। वहीं, इसके पहले एनसीपी नेता नवाब मलिक ने कहा था कि हम लॉकडाउन नहीं लगा सकते, हमने मुख्यमंत्री से अन्य विकल्पों पर विचार करने को कहा है। बढ़ते मामलों के कारण उन्होंने प्रशासन को लॉकडाउन के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं लेकिन अगर लोग नियमों का पालन करें तो इससे बचा जा सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पूरे देश में पिछले 24 घंटों के अंदर 68,020 नए कोरोना के मामले आए हैं। समाचार एजेंसी रायटर की टैली के अनुसार यह 11 अक्टूबर के बाद से सबसे अधिक रोजाना आने वाले कोरोना के नए मामले हैं।

बढ़ते कोरोना मामलों के बीच केंद्र व राज्य सरकारें पूरी तरह से अलर्ट हो गई हैं। महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू लगाया गया है और उधर मध्य प्रदेश के कई शहरों में सख्त पाबंदियां लागू की गई हैं।

महाराष्ट्र में लगाया गया नाइट कर्फ्यू

कोरोना के चलते देशभर में सोमवार को 291 लोगों की मौत हुई है और देश में अब तक कुल 161,843 लोगों की जान जा चुकी है। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में कोरोना के 31,643 नए मामले दर्ज किए गए और 102 लोगों की मौत हुई है। बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र सरकार सख्त लॉकडाउन लगाए जाने पर विचार कर रही है। हालांकि सरकार ने राज्य में नाइट कर्फ्यू लगाया हुआ है।

बता दें कि देश में लगातार तीन दिनों से 60,000 से ऊपर के मामलों आ रहे हैं। एक साल पहले कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से देश में कुल मामलों की संख्या एक करोड़ बीस लाख (12 मिलियन) के पार हो गई। वैश्विक स्तर पर अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत तीसरा सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित देश है।

बढ़ते मामलों के बीच कई राज्यों ने होली और मुस्लिमों के त्योहार शब-ए-बारात के लिए गाइडलाइन जारी की हैं। होली के त्योहार के बीच कई राज्य सरकारों ने सामूहिक समारोहों पर प्रतिबंध लगाया है।

वहीं, बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस ने सार्वजनिक समारोहों को रोकने के लिए गश्त तेज कर दी है। दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 1,881 मामले दर्ज किए गए हैं।

इन आठ राज्यों में सबसे ज्यादा कोरोना के मामले- गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने एक बयान में कहा कि कोरोना के 85 फीसद मामले देश के आठ राज्यों से हैं। ये राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, मध्य प्रदेश, गुजरात, केरल, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ हैं। जहां पर सबसे ज्यादा कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं।

24 घंटे में 56 हजार से अधिक केस, 271 लोगों की गई जान

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 56 हजार से अधिक नए मामले सामने आए है, जो सोमवार को दर्ज किए गए मामलों से 17 फीसद कम है। वहीं, इस दौरान 271 लोगों की जान भी गई है। इसके साथ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1.20 लाख को पार कर गई है। वहीं, देश में अबतक कुल 6 करोड़ 11 लाख 13 हजार 354 लोगों को कोरोना वायरस की वैक्सीन लगाई जा चुकी है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और पंजाब समेत आठ राज्यों में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखने को मिली रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 56,211 नए मामले आने के बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 1 करोड़ 20 लाख 95 हजार 855 हो गई है। इस दौरान हुई 271 नई मौतों के बाद कुल मौतों की संख्या 1 लाख 62 हजार 114 पहुंच गई है। देश में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 5 लाख 40 हजार 720 है, जबकि 1 करोड़ 13 लाख 93 हजार 21 लोग डिस्चार्ज हुए है। कोरोना के नए मामलों में लगतार 20वें दिन के लिए वृद्धि दर्ज की गई है। सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 4.47 प्रतिशत हो गई है, जबकि मरीजों के ठीक होने की दर गिरकर 94.19 प्रतिशत पर आ गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक भारत में कल तक कोरोना वायरस के लिए कुल 24 करोड़ 26 लाख 50 हजार 25 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं,

महाराष्ट्र : होला मोहल्ला मनाने से रोका तो तलवारों से लैस सिखों ने पुलिस पर किया हमला, हिरासत में लिए गए 17 आरोपी

मुंबई । देशभर में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण के मामले महाराष्ट्र से आ रहे हैं। इसके बावजूद लोग गाइडलाइंस का पालन नहीं कर रहे हैं। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में होली के मौके पर एक लॉकडाउन की सारी धज्जियां उठ गईं। यहां हजारों लोग सोमवार को गुरुद्वारे के पास लगी बैरीकेडिंग तोड़कर सड़क पर आ गए। इस दौरान गेट के पास तैनात 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए। कोरोना की पाबंदियों के कारण प्रशासन ने होला मोहल्ला की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन इसके बावजूद लोग सड़कों पर उतर आए। नांदेड़ पुलिस ने बताया कि गुरुद्वारा के बाहर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में 17 लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही कई अज्ञात लोगों के खिलाफ दंगा और हत्या के प्रयास के आरोपों के तहत एफआइआर दर्ज की गई है।

एसपी विनोद शिवाडे ने बताया कि नांदेड़ जिले में कोरोना के मामले बढ़ने की वजह से प्रशासन ने लोगों के एक जगह जुटने पर पाबंदी लगा रखी

है। इसके बावजूद सिख समाज के लोग हल्ला बोल मोर्चा निकालना चाहते थे। हालांकि, गुरुद्वारा प्रबंधन को परिसर के अंदर कार्यक्रम करने की इजाजत दी गई थी। लेकिन हजारों की संख्या में जुटे लोगों ने गुरुद्वारा के पास लगी बैरीकेडिंग को तोड़ दिया। पुलिसकर्मी हजारों की भीड़ और तलवार से लैस लोगों के आगे बेबस नजर आए। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भी हमला किया। पुलिस की गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया और इस दौरान 4 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुद्वारा कमेटी को इसकी सूचना दी गई थी और उनका कहना था कि वो गुरुद्वारे के अंदर इसका आयोजन करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कमेटी ने कहा था कि वे इसका आयोजन गुरुद्वारा परिसर के अंदर स्वयं कर लेंगे। लेकिन 4 बजे के करीब गेट के पास निशान साहिब लाया गया। वे पुलिसकर्मियों के साथ बहस करने लगे. 300 से 400 के करीब युवाओं ने बैरीकेडिंग तोड़ दिया और बाहर प्रदर्शन करने लगे।

बताया जा रहा है कि चार में से एक कांस्टेबल की हालत गंभीर है और पुलिस की छह गाड़ियों को भीड़ ने नुकसान पहुंचाया है। पुलिस कोरोना पाबंदियों को तोड़ने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में लगभग 200 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने जा रहा है।

कैलाश विजयवर्गीयने कहा- गोरखा के साथ है भाजपा, नीति और नियत में कोई बदलाव नहीं

सिलीगुड़ी । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तथा बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय द्वारा सोमवार को नामांकन के दौरान पत्रकारों से 11 गोरखा जाति को जनजाति में तब्दील करने के बयान को 11 नेपाल के जाति का समाधान कहे जाने को लेकर बवाल मचा हुआ है। गोरखा जनमुक्ति मोर्चा विनय तमांग ने इसे गोरखा समुदाय का अपमान बताते हुए भारतीय जनता पार्टी पर सीधा हमला किया है। इसे मुद्दा बनाकर चुनाव के दौरान भाजपा को घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

इस संबंध में दैनिक जागरण से बात करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने स्पष्ट किया कि कि गोरखा आजादी के पहले से भारतीय स्वतंत्रता के लिए संग्राम करने वाला वीर योद्धा है। उस पर किसी प्रकार का कोई शक करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। गोरखा समुदाय के प्यार, विश्वास और सहयोग को भारतीय जनता पार्टी ही नहीं देश कभी नहीं भुला सकता। उन्होंने कहा कि कैसे उनके मुंह से नेपाल के जाति की बात निकल गई वह खुद हैरान है। उनके दिमाग में क्षेत्र के 11 गोरखा जाति को जनजाति का दर्जा दिलाने की बात सामने आती रही है और उसपर लगातार भर्ती जनता पार्टी काम भी कर रही है। उनका उद्देश्य कभी भी गोरखा को नेपाल से जोड़ने का नहीं था।

उन्होंने कहा कि देश के गोरखा अच्छी तरह जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी की नीति और नियत गोरखा के प्रति स्पष्ट है। इसलिए उन्हें विश्वास है कि पहाड़ हो या देश के गोरखा उनके कहे बातों का अभिप्राय समझते हैं।

विपक्ष भाजपा के बढ़ते प्रभाव से हताशा में है। वह इस तरह के बातों को ही मुद्दा बनाकर लोगों को भ्रमित करना चाहते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विपक्ष के झांसे में गोरखा समुदाय आने वाला नहीं है क्योंकि उन्हें पता है कि उनके साथ दिल से कौन सी पार्टी उनके सुख-दुख में हमेशा साथ रहने वाली है।

एक बार स्पष्ट किया कि उनके मुंह से नेपाल कैसे निकला वह खुद बयान सामने आने के बाद अचंभित है। उनका बयान गोरखा के 11 जाति और गोरखा के शतत चल रहे आंदोलन का स्थाई समाधान करना है। गोरखा के प्रत्येक एक गंभीर समस्या को लेकर सदन के अंदर और बाहर दार्जिलिंग के सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजू बिष्ट मुद्दे को उठाते रहे हैं। राजू बिष्ट ही नहीं उन्हें सहयोग देने वाली पहाड़ की अन्य पार्टियां भी भली-भांति जानती है कि पहाड व गोरखा की समस्या को लेकर गृहमंत्री और प्रधानमंत्री इतने चिंतित है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी के कुशासन और हिंसा की राजनीति अंतिम दौर में है। जिस प्रकार दीया बुझने से पहले एक बार जोर से रोशनी करती है उसी प्रकार ममता बनर्जी की शासन जाने से पहले अपनी राजनीतिक हिंसा को तेज कर दी है।

पूर्व रेलवे की टिकट जांच कर्मचारी ने पड़ा हुआ मिला मनीपर्स उसके मालिक को खोजकर सौंपा

कोलकाता । पूर्व रेलवे के कर्मचारी यात्रियों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। हावड़ा स्टेशन पर तैनात एक महिला टिकट जांच कर्मचारी ने बहुत ही प्रसंशनीय कार्य किया है। 17 मार्च को अनीता सरकार, प्रधान टिकट परीक्षक, अपने बाकी साथियों के साथ बाली स्टेशन पर टिकट जांच कर रही थी, उसी दौरान उन्हें एक मनीपर्स पड़ा हुआ मिला। उन्होने उस मनीपर्स को उसके सही मालिक तक पहुंचाने के लिए बाली स्टेशन पर काफी खोजबीन व प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली।

अंततः अनीता सरकार, ने मनीपर्स को खोलने का फैसला किया तथा उस मनीपर्स के अंदर के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज तथा नकद रुपये मिले। इसके बाद मनीपर्स से मिले पत्ते के आधार पर श्रीमती सरकार ने स्पीड पोस्ट के माध्यम से एक खत आधार कार्ड के पत्ते पर उसके असल हकदार के पास भेजा तथा उनका यह प्रयास सफल रहा।

मनीपर्स के मालिक ने खत मिलने के बाद अनीता सरकार से फोन पर संपर्क किया। फोन पर बातचीत के दौरान श्रीमती सरकार ने कुछ सवाल पूछे व सब पुष्टि होने के बाद सन्टू दोलोई को हावड़ा स्टेशन पर बुलाया गया तथा 26 मार्च को करीब दोपहर 1ः15 बजे पर वह मनीपर्स जिसमें आधार कार्ड, पैन कार्ड व बैंक एटीएम कार्ड के इलावा 3050 रुपये थे, असल मालिक %सन्टू दोलोई% को सोंप दिए गए। इधर, इस उत्कृष्ट कार्य के लिए अनीता सरकार, प्रधान टिकट परीक्षक, हावड़ा की पूर्व रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशंसा की है।

एक महीनें में तीसरी बार मिला पीआइए लिखा पाकिस्तानी गुब्बारा, पुलिस ने कब्जे में लिया

जम्मू । जम्मू संभाग के कानाचक्क इलाके में एक बार फिर लोगों को पीआइए लिखा विमाननुमा गुब्बारा मिला है। यह एक माह में तीसरी बार है जब लोगों को यह गुब्बारा मिना है। कानाचक्क सीमा के नजदीक खेतों में पड़े इस गुब्बारे को देख लोगों में सनसनी फैल गई। लोगों ने पुलिस को इस बारे में बताया। मौके पर पहुंच पुलिस ने गुब्बारे को अपने कब्जे में ले लिया। इससे पहले जिला कठुआ के हीरानगर के गांव सोत्रा चक्क में 16 मार्च जबकि उसके ठीक छह दिन पहले यानी 10 मार्च को जम्मू के भलवाल इलाके में ऐसा ही एक और गुब्बारा मिला था।

भलवाल इलाका भी भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांव कानाचक्क से करीब पंद्रह किलोमीटर दूर है।

पुलिस का मानना है कि यह गुब्बारा सीमा पार से उड़कर यहां पहुंचा है जिसे कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस गुब्बारे को कानाचक्क के सीमांत लोगों ने खेतों में पड़ा देखा। सफेद और हरे रंग के इस विमाननुमा गुब्बारे पर पीआइए यानि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखा हुआ था। गुब्बारे को देखते ही लोगों ने कानाचक्क पुलिस को सूचित किया जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर गुब्बारे को कब्जे में ले लिया। उधर जब पाकिस्तानी गुब्बारे के मिलने की सूचना इलाके में फैली तो वे भी मौके पर पहुंच गए। लोगों इस संदिग्ध गुब्बारे को देखकर दहशत में थे।

उन्हें शक होने लगा कि शायद इसमें विस्फोटक बंधा हो जिसे छेड़ने पर वह धमाके के साथ फट जाएगा। उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने भी बड़े ही सतर्कता के साथ गुब्बारे को कब्जे में लिया। जब उसकी जांच की गई तो वह प्लास्टिक का गुब्बारा निकला जिसे गैस भरकर उड़ाया गया था। पुलिस ने गुब्बारे को कब्जे में ले लिया जिसके बाद लोगों ने भी राहत की सांस ली। ऐसा ही गुब्बारा 16 मार्च को भलवाल जबकि 10 मार्च को हीरानगर के गांव सोत्रा चक्क गांव में मिला था।

असम के मंत्री हिमंत बिस्वा सरमाह चुनावी अभियान की रैली के दौरान, मझबट में।

फातिमा सना शेख

हुई कोरोना पॉजिटिव, सोशल मीडिया पर किया ये पोस्ट

फातिमा ने बताया कि उन्होंने खुद को घर में अलग-थलग कर लिया है और लोगों से प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है.

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कोविड-19 की जांच करवाई, जिसमें वह कोरोनावायरस से संक्रमित पाई गई हैं. सोमवार को पोस्ट किए एक संदेश में फातिमा ने बताया कि उन्होंने खुद को घर में अलग-थलग कर लिया है और लोगों से प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, ‘मैं कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव निकली. इस समय सभी सावधानियों और प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं. आप सबकी शुभेच्छाओं और चिंता के लिए धन्यवाद. सुरक्षित रहें दोस्तो.

फिल्म दंगल में फातिमा के पिता की भूमिका निभा चुके अभिनेता आमिर खान भी कोविड-19 पॉजिटिव हो चुके हैं. पिछले कुछ दिनों में रणबीर कपूर, कार्तिक आर्यन, विक्रांत मैसी, परेश रावल, मिलिंद सोमन, आर. माधवन और रोहित सराफ सहित कई बॉलीवुड हस्तियां करोना की चपेट में आ चुके हैं.फामिता ने साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म तहान में भी अहम भूमिका निभाई थी. इस फिल्म को 2009 में जर्मनी में हुए बॉलीवुड एंड बियोंड फेस्टीवल में द जर्मन स्टार ऑफ इंडिया अवॉर्ड मिला ? था.

इतना ही नहीं फातिमा ने फिल्मों के साथ साथ छोटे पर्दे पर भी काम किया है. लेडीज स्पेशल, बेस्ट ऑफ लक निक्की और अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो में काम कर चुकी हैं. फातिमा ने करियर की ये बुलंदियां अपने दम और कड़ी स्ट्रगल के जरिए हासिल की हैं. फिल्मों में फामिता का कभी कोई गॉडफादर नहीं रहा है.दंगल इतनी सुपरहिट फिल्म थी कि उसके बाद एक्ट्रेस फातिमा से काफी उम्मीदें बढ़ गई. उसके बाद उन्होंने फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, लूडोऔर सूरज पे मंगल भार में काम किया हैं. लूडो और सूरज पे मंगल भारी ओटीटी ? पर रिलीज़ हुई लेकिन यह फिल्में दंगल जैसा कमाल नहीं कर पाई इसलिए आज भी ज़्यादातर लोग दंगल गर्ल के नाम से ही फातिमा सना शेख को पहचानते हैं. उनकी आने वाली फिल्म भूत पुलिस जिसमें अभिनेता सैफ अली खान और अली फजल के साथ नजर आएंगी.

करीना कपूर और सैफ के साथ सारा अली खान

ने की पूल पार्टी, व्हाइट बिकिनी पहनें तस्वीरे वायरल

बीते दिन पूरे देश में होली की धूम देखने को मिली, ऐसे में बॉलीवुड के सितारों ने भी खूब मस्ती की। इस बीच बॉलीवुड सेलेब्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से फैन्स को भी बधाई दी। इस बीच सारा अली खान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं, जिनमें वो व्हाइट बिकिनी में नजर आ रही हैं।

सारा का देसी अंदाज

दरअसल होली के बाद सारा अली खान, पिता सैफ अली खान और करीना कपूर खान के नए घर पहुंची। इस खास मौके पर सारा बेहद खूबसूरत लग रही थीं। सफेद सूट के साथ रंग बिरंगी चूड़ियों में सारा अली खान ने सभी का दिल जीत लिया। सारा के ये फोटोज फैन्स को भी खूब पसंद आए।

बिकिनी में फोटोज हुए वायरल

ई-टाइम्स की एक रिपोर्ट् के मुताबिक करीना और सैफ के घर होली के खास मौके पर पूल पार्टी रखी गई, जहां से सारा अली खान का कुछ बेहद बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आए। फोटोज में सारा अली खान व्हाइट बिकिनी में नजर आईं। फैन्स को जहां सारा का देसी अंदाज पसंद आया तो वहीं इस बोल्ड अवतार को भी सोशल मीडिया यूजर्स ने पसंद किया।

अतरंगी रे में आएंगी नजर

बता दें कि सारा अली खान उन एक्ट्रेसेस में शुमार हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैन्स के साथ अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। सारा अली खान जल्दी ही फिल्म अतरंगी रे में नजर आएंगी। इस फिल्म में सारा के साथ अक्षय कुमार और धनुष मुख्य किरदारों में दिखेंगे।

केदारनाथ से किया डेब्यू

गौरतलब है कि सारा अली खान ने फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में सारा के साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे। केदारनाथ के बाद सारा की जोड़ी रणवीर सिंह के साथ फिल्म सिम्बा में बनी। वहीं सारा की तीसरी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ लव आज कल थी। इसके साथ ही सारा आखिरी बार वरुण धवन के साथ फिल्म कुली नंबर वन में दिखी थीं।

प्रियंका चोपड़ा ने ससुराल में सेलिब्रेट की होली, पति निक जोनस और सास-ससुर पर भी चढ़ा रंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भले ही अपने पति निक जोनस के साथ विदेश में सेटल हो गई हों, लेकिन वहां रहकर भी वो भारत की परंपराओं और त्यौहारों को नहीं भूलती हैं। चाहें होली हो, दीवाली हो या करवाचौथ... एक्ट्रेस विदेश में रहकर भी अपने सारे त्यौहार बहुत अच्छे से सेलिब्रेट करती हैं और अपने फैंस को बधाई देना नहीं भूलती हैं। आज होली के मौके पर प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज़ शेयर की हैं जिनमें वो पति निक जोनस और सास-ससुर के साथ होली के रंग में रंगी नज़र आ रही हैं।

एक्ट्रेस की फोटो में दिख रहा है कि प्रियंका समेत सभी ने सफेद रंग के कपड़े पहने हुए हैं और सभी लोगों के कपड़ों और चंहरे पर लाल पीले रंग लगे हुए हैं। फोटो में प्रियंका ने हाथ में पिचकारी पकड़ी हुई है तो वहीं सभी कैमरे की तरफ देखकर पोज़ दे रहे हैं। इस फोटो के अलावा एक्ट्रेस कुछ और भी फोटोज़ शेयर की हैं जिनमें होली के ढेर सारे रंग रखे हुए दिख रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा है, 'होली रंगों का त्यौहार मेरे फेवरेट लोगों के साथ... हम सब इसे अपने चाहने वालों के साथ सेलिब्रेट कर सकते हैं, लेकिन अपने घर पर'। आप भी देखें फोटोज़। आप भी देखें फोटोज़।

प्रियंका को पति और अमेरिकन पॉप स्टार निक जोनस ने भी यही फोटोज़ अपने इंस्टा पर शेयर करते हुए सभी को होली की बधाई दी है।

प्रियंका के अलावा तमाम अमिताभ बच्चन, सारा अली ख़ान, करीना कपूर ख़ान, अर्जुन रामपाल, कंगना रनोट, रितेश देशमुख, जेनेलिया डिसूज़ समेत कई बॉलीवुड सितारों ने होली के मौके पर अपने फैंस को ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। किसी ने अपने परिवार के साथ थ्रोबेक फोटो शेयर की है तो किसी ने फनी वीडियो शेयर कर लोगों को होली की बधाई दी है।

Holi पर एक दूसरे के प्यार में डूबे दिखे राहुल वैद्य और दिशा परमार, शेयर कीं ये रोमांटिक फोटोज़

आज पूरा देश रंगों के त्यौहार होली के रंग में डूबा हुआ है तो ऐसे में सेलेब्स कैसे पीछे रह सकते हैं। हालांकि कोरोना के खतरे ने इस बार होली का रंग थोड़ा फीका कर दिया है, लेकिन लोग फिर भी अपने ख़ास लोगों के साथ थोड़ा बहुत होली सेलिब्रेशन तो कर ही रहे हैं। फेमस सिंगर और बिग बॉस 14 फाइनलिस्ट राहुल वैद्य ने अपनी गर्लफ्रेंड दिशा परमार के साथ होली सेलिब्रेट की है। राहुल और दिशा के होली सेलिब्रेशन की फोटोज़ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें लविंग कपल एक दूसरे के प्यार में डूबा नज़र आ रहा है। राहुल और दिशा अब लोगों के फेवरेट कपल में से एक हैं दोनों की फोटोज़ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आते ही वायरल हो जाती हैं। राहुल ने अपने इंस्टाग्राम पर दिशा के साथ होली सेलिब्रेशन की फोटोज़ शेयर की है जिनमें दोनों रंगों के साथ खेलते दिख रहे हैं। इन रोमांटिक फोटोज़ में राहुल और दिशा एक दूसरे के प्यार में डूबे दिख रहे हैं।फोटोज़ में दिख रहा है कि राहुल ने दिशा को बड़े सुकून के साथ गले लगा रखा है और दिशा भी प्यार से उन्हें थामे हुए दिख रही हैं। दोनों की ये रोमांटिक फोटोज़ फैंस को भी काफी पसंद आ रही हैं। फोटोज़ शेयर करते हुए राहुल ने सभी को होली को मुबारकबाद दी है। इन फोटोज़ के अलावा राहुल ने दिशा के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें सिंगर अपनी गर्लफ्रेंड को रंग लगाने के लिए भागते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो और फोटोज़ में दोनों सफेद रंग का कुर्ता और डेनिम जींस पहनी हुई है और दोनों बड़ी मस्ती के साथ होली सेलिब्रेट कर रहे हैं।

आपको बता दें राहुल और दिशा फिलहाल सोशल मीडिया के सबसे फेमस और फेवरेट कपल में से एक हैं। राहुल ने दिशा को बिग बॉस 14 के दौरान प्रपोज़ किया था उसके बाद से ही दोनों जहां भी साथ में जाते हैं वहां पैपराज़ी उनके पीछे पहुंच जाते हैं। दोनों की फोटोज़ सोशल मीडिया पर बहुत वायरल होती हैं।

इयान बेल ने बताया, किस प्लेयर के बिना अब टीम इंडिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती

नई दिल्ली। रिषभ पंत को भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जैसे ही दूसरे टेस्ट मैच में प्लेइंग इलेवन में मौका मिला, उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने प्रदर्शन के दम पर वो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट, टी20 और वनडे सीरीज का भी हिस्सा बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीनों प्रारूपों की सीरीज में रिषभ का बल्ला जमकर चला और वो भारतीय टीम की तरफ से विराट के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे। बल्ले के साथ-साथ विकेट के पीछे भी उन्होंने कमाल दिखाया और अच्छा प्रदर्शन किया।

रिषभ पंत ने पहले टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी अच्छा खेल दिखाया और फिर वनडे सीरीज में दो मैचों में बैक-टू-बैक अर्धशतकीय पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ तीनों प्रारूपों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी इयान बेल ने उनकी खूब तारीफ की। बेल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर बात करते हुए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज के बारे में कहा कि, उनके लिए ये क्रिकेट सीरीज काफी अच्छी रही।

बेल ने कहा कि, इंग्लैंड के खिलाफ रिषभ पंत ने सभी प्रारूपों में बिना किसी हड़बड़ाहट से बल्लेबाजी की। वो बिल्कुल शांत नजर आए और कभी ऐसा नहीं लगा कि, वो रिस्क ले रहे हैं। वो लगातार स्ट्राइक रोटेट करते रहे और मैं कल्पना कर सकता हूं कि उनके सामने गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज जरूर ये सोच रहे होंगे कि अगर उन्होंने गलती की तो उसका खमियाजा भुगतना पड़ सकता है। मैंने इस सीरीज के दौरान देखा कि, किस तरह से उनकी परिपक्वता और ज्यादा बढ़ गई थी। इसके अलावा टेस्ट मैच में उन्होंने जो शतक लगाया था उससे उनका आत्मविश्वास और ज्यादा बढ़ेगा।

भारतीय दिग्गज ने बताया, इस तरह वनडे क्रिकेट में शतक ठोक सकते हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने पुणे में रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में 44 गेंदों पर 64 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। इसकी बदौलत भारत ने 300 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया और फिर भारत ने करीबी मुकाबले में 7 रनों से जीत दर्ज कर सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। हार्दिक पांड्या और रिषभ पंत के बीच 5वें विकेट के लिए अच्छी साझेदारी हुई।

27 वर्षीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने हाल के दिनों में बल्ले से लगातार योगदान दिया है, लेकिन वे कई बार शतक के करीब पहुंचकर भी शतक नहीं बना सके हैं। वनडे क्रिकेट में उनके नाम 7 अर्धशतक हैं, लेकिन अभी तक शतक नहीं बना पाए हैं। इस पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा ने राय दी है कि अगर पांड्या को बल्लेबाजी क्रम में पदोन्नत किया जाता है तो पांड्या वनडे में शतक जड़ सकते हैं।स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बोलते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा,÷हार्दिक पांड्या ईमानदारी से मेरे लिए अब एक उचित बल्लेबाज की तरह लग रहे हैं। मैं उन्हें ऑलराउंडर या फिनिशर के रूप में नहीं देखता। यदि आप उनसे ऊपर के क्रम में बल्लेबाजी करते हैं तो वह पर्याप्त शतक बनाएंगे। यदि आप उनके शॉट्स देखते हैं, तो दस में से नौ बार आप क्रिकेटिंग शॉट्स देखेंगे और जहां भी वह गेंद को हिट करने की कोशिश करते हैं, उनकी उन्होंने अच्छी तैयारी की है।

आकाश चोपड़ा ने आगे कहा, एक समय में जब आखिरी वनडे मैच में भारत के चार विकेट गिर चुके थे। जब केएल राहुल आउट हुए, तो लगा कि पारी लड़खड़ा गई है। इसके बाद उन्होंने (हार्दिक पांड्या) जिस तरह की बल्लेबाजी की, उसमें ताकत है। उन्होंने अपने बल्लेबाजी सॉफ्टवेयर को जल्दी अपडेट किया और फिर एक प्रोपर बल्लेबाज की तरह खेलना शुरू कर दिया है। वह क्रीज की गहराई का अच्छे से इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोहम्मद शमी ने किया दावा, कहा - पंजाब किंग्स को अब इस विभाग में कोई दिक्कत नहीं है

नई दिल्ली।पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए डेथ गेंदबाजी चिंता का कारण रही थी, क्योंकि शेल्डन कॉट्रेल जैसे गेंदबाजों को एक-एक ओवर में 4-4 छक्के पड़े थे। इसके अलावा मोहम्मद शमी भी दूसरे छोर से बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे, जबकि क्रिस जॉर्डन भी प्रभावी नजर नहीं आए थे, लेकिन अब पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दावा किया है कि डेथ बॉलिंग पंजाब की टीम के लिए चिंता का विषय नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर बल्लेबाजी के समय हाथ में फ्रैक्चर झेलने वाले मोहम्मद शमी आइपीएल में पूरी तरह फिट होकर उतरने वाले हैं। फिटनेस को लेकर शमी ने कहा, मैं बिल्कुल ठीक हूं और खेलने के लिए तैयार हूं। बल्लेबाजी करते समय चोट लगना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि मैंने लंबे समय तक फिटनेस में समस्या नहीं देखी थी, लेकिन यह एक ऐसी चीज थी जिसके बारे में मैं कुछ नहीं कर सकता था, लेकिन यह खेल का हिस्सा है।÷शमी के पास पिछले साल अपने आइपीएल करियर का सबसे अच्छा सीजन था, जब उन्होंने 8.57 की इकॉनोमी से 20 विकेट लिए थे, लेकिन उन्हें अन्य पेसर्स से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, जो डेथ ओवरों में रन नहीं बचा पाते थे, अंततः टीम को इसकी मार झेलनी पड़ी, क्योंकि टीम प्लेऑफ की बर्थ हासिल नहीं कर पाई थी। हालांकि, अब टीम ने झाय रिचर्डसन, रिले मेरेडिथ और मोइसेस हेनरिक्स को इस अंतर को पूरा करने के लिए साथ जोड़ा है।तेज गेंदबाज शमी ने कहा, हम अतीत को नहीं बदल सकते। मैंने पिछले सीजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जब भी मैं साथी तेज गेंदबाजों की मदद कर सकता था, मैंने की।

ऋषभ पंत पर 'आकाशवाणी': पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने पंत की तुलना डिविलियर्स और गिलक्रिस्ट से की, कहा-

रिस्क लेना ही ऋषभ की सबसे बड़ी ताकत

पूणे। टीम इंडिया ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 2-1 से शिकस्त दी। इसमें ऋषभ पंत को दो मैच में मौका मिला था, जिसमें उन्होंने ताबड़तोड़ फिफ्टी लगाई। अपनी दोनों पारियों से उन्होंने फैंस समेत सभी दिग्गजों को कायल किया। इसी बीच पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने पंत को स्पेशल खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वे रिस्क लेते हैं, यही उनकी ताकत है। वे लगातार मैचों में रिस्क लेकर शॉट खेल रहे हैं। यह शैली ही उन्हें स्पेशल बनाती है।

चोपड़ा ने पंत की तुलना साउथ अफ्रीकी प्लेयर एबी डिविलियर्स और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट से की। उन्होंने कहा कि पंत के खेलने की शैली भी डिविलियर्स और गिलक्रिस्ट की तरह ही है। वे दोनों की तरह थोड़ा रिस्क लेते हुए हवा में शॉट खेलते हैं। पंत जब हवा में शॉट खेलते हैं तो वह निश्चित तौर पर बाउंड्री के बाहर पहुंचाते हैं।

तीसरे वनडे में भारत की लड़खड़ाती पारी को संभाला

चोपड़ा ने आगे कहा, बेशक पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने बेहतर बल्लेबाजी की। तीसरे वनडे में उन्हें प्रमोट कर चार नंबर पर भेजा गया, जबकि वह हमेशा पांच नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आते हैं। जब वे आए तब एक के बाद एक भारत के तीन विकेट गिर चुके थे। भारतीय पारी लड़खड़ाती हुई नजर आ रही थी। ऐसी स्थिति में आकर उन्होंने भारतीय पारी को संभाला और कई बेहतर शॉट लगाए। ऐसा लग रहा था कि भारत 370 के पार स्कोर खड़ा करेगा। लेकिन जोस बटलर ने उनका शानदार कैच पकड़ा। ऐसा लगा कि पंत शॉट खेलने के लिए तैयार नहीं थे। मुझे उम्मीद थी कि वह शतक लगाएंगे। हालांकि उन्होंने बेहतर बल्लेबाजी की। इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज की दो पारियों में 152 की स्ट्राइक रेट से 155 रन बनाए। पंत को पहले वनडे में प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया था, जबकि दूसरे वनडे में उन्होंने हाफ सेंचुरी लगाते हुए 40 गेंदों पर 77 रन की पारी खेली।

कोरोना की चपेट में क्रिकेटर्स: भारतीय महिला टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी संक्रमित

सचिन समेत 4 खिलाड़ी पहले ही पॉजिटिव हो चुके

नई दिल्ली। भारतीय महिला टी-20 क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने हल्के लक्षण नजर आने पर टेस्ट करवाया था। हरमन हाल ही में दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ खेली गई वन-डे सीरीज में टीम का हिस्सा थीं, लेकिन पांचवें मैच में चोटिल होने की वजह से वे टी-20 सीरीज नहीं खेल पाई थीं।

बुखार के बाद टेस्ट करवाया

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हरमन को चार दिनों से बुखार था और उन्हें हल्के लक्षण महसूस हो रहे थे। इसके बाद उन्होंने सोमवार को कोरोना की जांच करवाई और मंगलवार को उनका टेस्ट पॉजिटिव निकला। हालांकि वह अभी ठीक हैं और घर में ही खुद को क्वारंटीन किया हुआ है।

रोड सेफ्टी सीरीज में खेले

चार खिलाड़ी भी पॉजिटिव

हाल ही में रायपुर में हुई रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में खेलने वाले सचिन तेंदुलर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। सचिन के अलावा इरफान पठान, उनके भाई यूसुफ पठान और सुब्रमण्यम बद्रीनाथ भी संक्रमित हो चुके हैं। इरफान हाल ही में इंग्लैंड के साथ हुई वन-डे सीरीज के दौरान पार्थिव पटेल और आकाश चोपड़ा के साथ कमेंट्री कर रहे थे।

वनडे में एक हाफ सेंचुरी बनाई थी

हरमनप्रीत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज में एक हाफ सेंचुरी के साथ 160 रन बनाए थे इस दौरान उन्होंने 40, 36, 30 और 54 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने कुल 2 टेस्ट, 104 वनडे और 114 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वनडे में 25 विकेट के साथ 2,532 रन और टी-20 में 29 विकेट के साथ 2,186 रन बनाए हैं। जबकि टेस्ट में 26 रन बनाने के साथ ही 9 विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड ने टी20 सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को चटाई धूल, डेवन कॉनवे ने खेली तूफानी पारी

हैमिल्टन। डेवोन कॉनवे की नाबाद 92 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने पहले टी-20 में बांग्लादेश पर 66 रनों से जीत दर्ज की। कॉनवे ने 52 गेंद में यह पारी खेली जिसमें विल यंग के साथ तीसरे विकेट के लिए उन्होंने 105 रन की साझेदारी भी निभाई। यंग ने 28 गेंद में अर्धशतक जड़कर अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया।न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया, जिसके बाद इस जोड़ी ने न्यूजीलैंड को तीन विकेट पर 210 रन बनाने में मदद की। इसके बाद उसके लेग स्पिनर ईश सोढ़ी ने आठ गेंद के अंदर चार विकेट (तीन बोल्ड) लेकर बांग्लादेश को जवाब में आठ विकेट पर केवल 144 रन ही बनाने दिए। कॉनवे ने अपने 12वें मैच में चौथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़ा। वहीं, पदार्पण करने वाले 21 साल के फिन एलेन केवल एक गेंद ही खेल पाए और बोल्ड हो गए। फिर कॉनवे ने मार्टिन गुप्टिल के साथ 52 रन की साझेदारी की। गुप्टिल ने 27 गेंद में तीन चौके और दो छक्के से 35 रन बनाए। फिर कॉनवे ने यंग के साथ साझेदारी की। यंग ने 28 गेंद में दो चौके और चार छक्के से 50 रन पूरे किए, लेकिन 17वें ओवर में 53 रन पर आउट हो गए। कॉनवे ने फिर चौथे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 24) के साथ चौथे विकेट के लिए नाबाद 52 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश ने लिटन दास का विकेट तीसरे ओवर में ही गंवा दिया जिन्हें कार्यवाहक कप्तान टिम साउथी ने आउट किया। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने फिर मुहम्मद नईम शेख (27) को एलबीडब्ल्यू किया जिससे बांग्लादेश का स्कोर दो विकेट पर 39 रन हो गया। सोढ़ी ने फिर सौम्य सरकार, मुहम्मद मिथुन, महमूदुल्लाह और मेहदी हसन के आठ गेंद में चार विकेट झटक लिए।

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज में रिकॉर्ड्स: दोनों टीमों ने 70 छक्के लगाकर 2 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

रोहित-धवन की जोड़ी ने वनडे में 5000 रन पूरे किए

पूणे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई वनडे सीरीज में कई रिकॉर्ड्स बने। दोनों टीमों ने इस सीरीज में कुल 70 सिक्स लगाए। यह किसी भी 3 मैच की वनडे सीरीज में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच 2019 में हुई सीरीज में 3 मैच में 57 छक्के लगे थे। वहीं, रोहित शर्मा और शिखर धवन की ओपनिंग जोड़ी ने वनडे में 5000 रन की पार्टनरशिप पूरी कर ली है। इन दोनों ने मिलकर अब तक कुल 5023 रन बनाए हैं।

रोहित और धवन ने 17वीं बार सेंचुरी पार्टनरशिप की

रोहित और धवन ने रविवार को खेले गए तीसरे वनडे में पहले विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट और मैथ्यू हेडन के वनडे में 16 बार 100 या उससे अधिक रनों की साझेदारी करने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। रोहित और धवन वनडे में 17 बार शतकीय साझेदारी कर चुके हैं। वे सबसे अधिक शतकीय साझेदारी करने वाली सलामी जोड़ियों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारत ने द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा सिक्स लगाए

भारतीय टीम ने इस सीरीज में

इनसे पहले भारत के ही सचिन तेंदुलकर और सौरभ गांगुली की जोड़ी ने वनडे में सबसे ज्यादा 21 बार 100 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। वनडे में सबसे ज्यादा सेंचुरी पार्टनरशिप करने का रिकॉर्ड भी सचिन और गांगुली के नाम है। इन दोनों ने 26 बार यह कारनामा किया है।

कुल 33 छक्के जड़े। यह 4 या इससे कम मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में भारतीय टीम द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले 2017 में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ ही 3 मैच की सीरीज में 30 सिक्स लगाए थे। वहीं, 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया ने 3 मैच में 24 छक्के जड़े थे।

लिस्ट ए में थिसारा परेरा ने 6 छक्के लगाए

ऑलराउंडर परेरा 6 गेंदो पर 6 छक्के लगाने वाले श्रीलंका के पहले क्रिकेटर बने; इस साल ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज

कोलंबो। श्रीलंका के ऑलराउंडर थिसारा परेरा प्रफेशनल क्रिकेट में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने वाले श्रीलंका के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट मेजर्स कप लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट में आर्मी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से खेलते हुए ब्लूमफील्ड क्लब के ऑफ स्पिनर दिल्हन कूरे के एक ओवर में 6 छक्के लगाए। परेरा ने 13 गेंद पर नाबाद 52 रन की पारी खेली। हालांकि खराब रोशनी के कारण मैच को रद्द करना पड़ा। परेरा जब पांच नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे तब पारी की केवल 20 गेंद बची थीं।

दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले

आर्मी स्पोर्ट्स क्लब ने पहले खेलते हुए 41 ओवर में 3 विकेट पर 318 रन बनाए। बारिश के कारण मैच को 50 ओवर की जगह 41 ओवर का कर दिया गया था। जवाब में ब्लूमफील्ड ने 17 ओवर में 73 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन खराब रोशनी के कारण मैच को रद्द करना पड़ा और दोनों टीमों को दो-दो अंक मिले।

परेरा ने श्रीलंका की ओर से दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई

परेरा श्रीलंका के दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने सबसे तेज फिफ्टी लगाई है। उनसे पहले घरेलू टूर्नामेंट में ही ऑलराउंडर कौशल्य वीरारत्ने ने 2005 में रगाना क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए कुरुनेगला यूथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ 12 गेंदों पर 50 रन बनाए थे। उन्होंने 18 गेंदों पर 2 चौके और आठ छक्के की मदद से 66 रन बनाए थे।

इस साल 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज

परेरा प्रोफेशनल क्रिकेट में इस साल 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। इनसे पहले वेस्ट इंडीज के कीरोन पोलार्ड ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 में स्पिनर अकीला धनंजय की 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए थे। अब तक दुनिया के 9 बल्लेबाज प्रोफेशनल क्रिकेट में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा चुके हैं। सबसे पहले यह करनामा वेस्टइंडीज के गैरी

सोबर्स ने किया था। उसके बाद भारत के रवि शास्त्री ने किया था। दोनों ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह रिकॉर्ड कायम किया था।

युवराज सिंह और हर्शल गिब्स वर्ल्ड कप में एक ओवर में लगाए थे 6 छक्के

भारत के युवराज सिंह और साउथ अफ्रीका के हर्शल गिब्स ने एक ओवर में 6 छक्के लगाने का करानाम वर्ल्ड कप में किया था। गिब्स ने 2007 में वनडे वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के गेंदबाज वेन बुंगे की 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए थे। वहीं युवराज सिंह ने 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप के एक मैच में 6 छक्के लगाकर गिब्स की बराबरी की थी। उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में 6 छक्के लगाए थे।

टीम इंडिया का होली गिफ्ट: तीसरे वनडे में इंग्लैंड को 7 रन से हराया, भारत दौरे पर आई इंग्लिश टीम को 52 दिन में तीनों फॉर्मेट में शिकस्त दी

पूणे। टीम इंडिया ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 7 रन से हराकर फैंस को होली गिफ्ट दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पुणे में खेली गई 3 वनडे की सीरीज 2-1 से जीत ली। भारतीय टीम ने फरवरी में दौरे पर आई मेहमान टीम को 52 दिन में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शिकस्त दी। 5 फरवरी से खेली गई 4 टेस्ट की सीरीज में 3-1 और फिर 5 टी-20 की सीरीज में 3-2 से हराया था।

आखिरी निर्णायक वनडे में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 48.2 ओवर में 329 रन के स्कोर पर ऑलआउट हुई। जवाब में इंग्लिश टीम 9 विकेट गंवाकर 322 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के लिए सैम करन ने 83 बॉल पर नाबाद 95 रन की पारी खेली। डेविड मलान ने 50 बॉल पर 50 रन बनाए। सैम करन की

यह वनडे में पहली फिफ्टी रही।

आखिरी 3 ओवर का रोमांच

330 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 200 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन सैम करन ने हार नहीं मानी। वे आखिर तक डटे रहे। इस दौरान उन्होंने 8वें विकेट के लिए आदिल रशीद के साथ 57 रन की पार्टनरशिप की। जबकि 9वें विकेट के लिए मार्क वुड के साथ मिलकर 60 रन जोड़े, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आखिरी 18 बॉल पर इंग्लैंड को जीत के लिए 23 रन की जरूरत थी और 2 विकेट बाकी थे। यहां से

भुवनेश्वर ने एक ओवर किया और सिर्फ 4 रन दिए। अब 12 बॉल पर 19 रन चाहिए थे। ऐसे में कप्तान विराट कोहली ने हार्दिक को बॉल थमाई। इस ओवर में सिर्फ 5 रन आए, लेकिन 2 कैच भी छूटे। शार्दूल ने वुड का कैच छोड़ा। फिर लगातार दूसरी बॉल पर नटराजन ने सैम करन को जीवनदान दिया। अब 6 बॉल पर जीत के लिए 14 रन की जरूरत थी। कोहली ने इस बार नटराजन पर भरोसा जताया। स्ट्राइक पर मौजूद सैम करन ने शॉट खेलकर 2 रन लेना चाहा, लेकिन वुड रनआउट हो गए। नए बल्लेबाज रीस टॉपले स्ट्राइक पर आए और उन्होंने एक रन दिया। अगली 2 बॉल पर नटराजन ने कोई रन नहीं दिया। अब इंग्लैंड को 2 बॉल पर 12 रन चाहिए थे। यहां से करन ने एक चौका लगाया और आखिरी बॉल पर कोई रन नहीं ले सके।

भारतीय बल्लेबाजी में पंत और हार्दिक हीरो रहे

बल्लेबाजी के दौरान टीम इंडिया ने एक समय 157 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या ने टीम को संभाला। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 73 बॉल पर 99 रन की पार्टनरशिप की। पंत ने 62 बॉल पर सबसे ज्यादा 78 रन बनाए। इनके अलावा धवन ने 56 बॉल पर 67 और हार्दिक ने 44 बॉल पर 64 रन की पारी खेली। पंत के करियर की यह तीसरी, धवन की 32वीं और हार्दिक की 7वीं फिफ्टी रही। आखिर में शार्दूल ठाकुर ने 21 बॉल पर 30 रन बनाए। भारतीय पारी में कुल 11 छक्के लगे, जिसमें पंत और हार्दिक ने 4-4 छक्के जड़े। शार्दूल ने 3 सिक्स लगाए।